हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ड्रोन से पहली बार देखिए, नए सदन में कैसे बैठेंगे हमारे विधायक

नया विधानसभा भवन भव्य और अनूठा...

बैठ सकेंगे 200 विधायक, अभी 90, इसलिए पांच की जगह टेबल की सिर्फ तीन कतार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का निर्माण बेहद भव्य और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान रखते हुए किया गया है। यहां 200 विधायकों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है, लेकिन वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 90 विधायक ही हैं, इसलिए विधायकों की बैठक व्यवस्था अब और व्यवस्थित होगी। वर्तमान विधानसभा में पांच मेजों की कतार में विधायकों के बैठने की व्यवस्था है। नए भवन में पहले सत्र से ही तीन मेजों की कतार में विधायक बैठ सकेंगे। इस तरह सदन खाली भी नहीं दिखेगा और विधायकों की ▸▸| शेष पेज 8 पर

विकास की गाथाएं लिखी जाएंगी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह नए भवन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान हरिभूमि से बातचीत में उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश विधानसभा के मिंटो हॉल से लेकर नए विधानसभा तक लंबी यात्रा रही। नए विधानसभा भवन से प्रदेश के विकास की नई गाथाएं लिखी जाएंगी। नई विधानसभा भवन का निर्माण प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के अनुरुप किया गया है। बस्तर के सागौन से यहां फर्नीचर का निर्माण किया गया है। छत्तीसगढ़ के ही श्रमिकों ने इस भव्य भवन का निर्माण किया है। यह पीएम मोदी के मिशन 2047 के सपने को साकार करता नजर आता है।

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹86708/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹105900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹115599/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज राफेल से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला में राफेल लड़ाकू विमान से उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति ने आठ अप्रैल, 2023 को असम के तेजपुर वायु सेना अड्डे पर सुखोई-30 लड़ाकू विमान से उड़ान भरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला जाएंगी जहां वह राफेल से उड़ान भरेंगी।

सेवानिवृत्त इंजीनियर से सवा करोड़ की ठगी

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले एक बुजुर्ग सेवानिवृत्त इंजीनियर से अज्ञात साइबर अपराधियों ने शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ 30 लाख रुपए ठगी की। पीड़ित ने मंगलवार को साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। 18 अगस्त को सीएचसीपी ग्लोबल सिक्योरिटीज नामक कंपनी की तरफ से उसे व्हाट्सऐप पर एक संदेश मिला। जिसमें उससे शेयर ट्रेडिंग के लिए कहा गया।

खतरनाक रफ्तार, हाई अलर्ट पर सेना, चार राज्यों से 50 हजार से अधिक का रेस्क्यू

चक्रवात 'मोंथा' का रौद्र रूप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली/अमरावती

आंध्र प्रदेश के तट से भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा के टकराने के बाद करीब 4 घंटे तक लैंडफाल जारी रहा। ऐसे में मछलीपट्टनम और काकीनाडा में अलर्ट जारी किया गया। इसी के साथ तमिलनाडु के पुडुचरी में भी तूफान का असर देखा गया। इस तूफान का प्रभाव ओडिशा और छत्तीसगढ़ तक देखने को मिला। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने मंगलवार शाम 7:23 बजे सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर किए एक पोस्ट में कहा कि तूफान की नवीनतम स्थिति से संकेत मिलता है कि इसके तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हुई। ▸▸| शेष पेज 8 पर

भारी बारिश से 120 ट्रेनें-52 उड़ानें रद्द

- छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में एनडीआरएफ की टीमें
- आंध्र प्रदेश के सात जिलों में भारी बारिश से जनजीवन बेहाल
- आंध्र सरकार ने 800 से अधिक राहत केंद्र किए स्थापित

प्रचंड चक्रवाती तूफान 'मोंथा' आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया। इसका असर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल और ओडिशा में देखा गया। कई जगह पेड़ उखड़ गए, समुद्र तटों पर लहरें ऊंची उठीं। तटीय इलाकों से 50 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। मोंथा के कारण छत्तीसगढ़ में दिनभर बादल छाये रहे और बूंदाबांदी होती रही। तूफान को लेकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में एनडीआरएफ की 25 टीमें तैनात की गई हैं। दक्षिण मध्य रेलवे जोन की कुल 120 ट्रेनें कैंसिल की गई हैं, वहीं 52 उड़ानों पर भी असर हुआ है।

पश्चिम बंगाल में ऐसा अनुमान

'मोंथा' के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में 31 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बर्दवान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर बंगाल के जिलों दार्जिलिंग, कालिमपोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में शुक्रवार को बहुत भारी बारिश (7 से 20 सेमी) की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री ने की समीक्षा

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चक्रवात मोंथा के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की। वैष्णव ने संबंधित रेलवे जोन को भारत के पूर्वी तट पर चक्रवात के प्रभाव की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया कि रेल मंत्री ने प्रमुख कार्य बिंदुओं पर चर्चा की, जैसे कि मंडल स्तरीय 'वॉर रूम' को सक्रिय करना, आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव शक्ति तैयार रखना, विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलों में, साथ ही यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए ट्रेन परिचालन की निगरानी करना।

डॉक्टर और नर्स पर लापरवाही का आरोप

दो माह के मासूम को लगाए पांच इंजेक्शन, ओवरडोज से हो गई मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बीजापुर

सर्दी-जुकाम से पीड़ित मासूम को डॉक्टर के कहने पर नर्स ने एक के बाद एक पांच इंजेक्शन लगा दिए। परिजन मना करते रहे पर नहीं माने, ऐसे में दो माह के मासूम की ओवरडोज से मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर एवं स्टाफ नर्स पर लापरवाही से इलाज करने का ▸▸| शेष पेज 8 पर

ऑक्सीजन लेवल कम था

बच्चा निमोनिया से ग्रस्त था, शनिवार को परिजन दिखाने आये थे। जिन्हें बताया गया था, बच्चे का ऑक्सीजन लेवल कम है। परिजन पांच इंजेक्शन लगाने की बात कह रहे, लेकिन बच्चे को तीन इंजेक्शन, पैरासिटामाल और विटामिन का डोज दिया गया था। घटना की जानकारी लेने आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जा रहा हूं।

डॉ. बुधराम पुजारी, जिला मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, बीजापुर

सीएम साय ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व त्योहार के अवसर पर जशपुर के कुनकुरी छठ घाट में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का दिन है कि मुझे अपने विधानसभा क्षेत्र में छठ पर्व में शामिल होने का अवसर मिला।

टूटी खाट-टूटी उम्मीदें ...पिता ने पूछा- समर्पण से कितना पैसा मिलेगा

पुत्र के नक्सली होने की कीमत परिवार ने चुकाई

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| विजय पाण्डेय/ कांकेर

उत्तर बस्तर का घना जंगल, जहां कभी आदिवासी संस्कृति की गूंज सुनाई देती थी, वहाँ कई सालों से बंदूकों की आवाज और सुरक्षा बलों के कदमों की आहट से कांप उठता था। इसी इलाके में सक्रिय नक्सली संगठन की कंपनी नंबर 5 का कमांडर बताया जाने वाला राजू सलाम पिछले कई वर्षों से पुलिस के लिए सिरदर्द बना रहा। वह अब 12 दिन पहले पुलिस के सामने समर्पण कर दिया, लेकिन दिलचस्प और विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि कमांडर राजू का नाम बड़े स्तर पर पुलिस फाइलों में दर्ज है, उसके अपने घर की हालत ▸▸| शेष पेज 8 पर

पिता को इंतजार, पैसा लेकर आएगा बेटा

कमांडर के पिता का कहना था कि पूरा घर बड़ा बेटा चलाता है। हरिभूमि से पूछा कि समर्पण करने पर कितना पैसा मिलेगा। उनको बताया गया कि 25 लाख का इनाम घोषित है। यह राशि मिलेगी, उसके अलावा जमीन के लिए जो नियम है, उसके अनुसार जमीन भी मिलेगी। इसके अलावा अन्य सुविधा देने का प्रावधान है।

एक साल पहले आया था मिलने

दुखी मन से राजू सलाम के पिता ने बताया कि जब वो आठवीं में था, तभी नागेश उसे अपने जाल में फंसाकर ले गया, यह साल 2002 रहा होगा। कई साल तक हम लोग नहीं जानते थे, वो कहाँ है। अखबारों में पढ़ा तब उसके बारे में जानकारी मिलने लगी। एक साल पहले मिलने आया था, घर के अंदर अकेले आया था और बाहर उसके साथी लोग खड़े थे। मैने उसे बहुत डांटा, परंतु उसने कुछ नहीं बोला और ▸▸| शेष पेज 8 पर

चार दशक से सक्रिय सीसीएम व एससीएम ने तेलगांना डीजीपी के समक्ष किया समर्पण

जगदलपुर। नक्सल संगठन में 45 वर्ष से सक्रिय केन्द्रीय कमेटी मेंबर पुल्लरी प्रसाद राव व स्टेट कमेटी मेंबर बण्डी प्रकाश ने मंगलवार को तेलगांना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। लगातार शीर्ष नक्सलियों के समर्पण से नक्सल संगठन को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। जानकारी के मुताबिक दोनों बड़े नक्सल नेता चार दशक से अधिक समय से नक्सल ▸▸| शेष पेज 8 पर

हथियार डालने का किया था ऐलान

बंडी प्रकाश सिंगरेनी कोलबेल्ट कमेटी में भी सचिव के पद पर सक्रिय थे। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पोलित ब्यूरो सदस्य वेणुगोपाल उर्फ सोनू दादा के आत्म समर्पण के ▸▸| शेष पेज 8 पर

www.cvru.ac.in Follow us on:

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Chhattisgarh, Bilaspur AN AISECT GROUP UNIVERSITY

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University

ADMISSIONS OPEN [SESSION-2025-26]

FACULTY OF PHARMACY

D.Pharm

B.Pharm

M.Pharm
- Pharmaceutics
- Pharmacology
- Pharmaceutical Chemistry

B.Pharm Lateral Entry

Admission through CGDTE Counselling

B.Tech | Polytechnic Diploma | M.Tech | B.VOC | M.VOC
UG Diploma in Fire Safety Management
B.Sc. | M.Sc. | PGDRD
UG Programme in Nutrition & Dietetics
M.Sc. (IT) | M.Sc. (CS) | P. G.D.C.A. | B.C.A. | D.C.A.
B.A. | PERFORMING & FINE ARTS (B.P.A. | M.P.A.)
M.A. | B.Lib. | M.Lib. | M.S.W. (Social Work) | B.J. | M.J.
B.Ed. | M.Ed. | B.P.E.S. | M.P.E.S.
LL.M. | LL.B. | B.A. (LL.B.) | B.Com.(LL.B.)
B.B.A. | M.B.A. | PGDBM | B.Com. | M.Com.

Top Recruiters of AGU

More than 500 Companies for Placements and Internships Offering up to 10 Lakh Package

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

University is recognized by 2(f) under section 22 of UGC (University Grant Commission) Act 1956

BCI (Bar Council of India)

AICTE (All India Council of Technical Education) Bilaspur

NCTE (National Council for Teacher Education)

University is Approved by CGPURC (Chhattisgarh Private University Regulatory Commission)

PCI (Pharmacy Council of India,

University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

Special Features:
- Accredited by NAAC
- Chhattisgarh's first private university
- Skill Courses offered by PMKK in the University
- 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship.
- Fully Automated Central Library
- 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more
- Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery
- Diverse student base from 8 states

SCAN QR CODE FOR ADMISSION ENQUIRY

ADMISSION HELPLINE FOR REGULAR PROGRAMMES
6261-900581, 6261-900582

Add: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
E-Mail : info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

AdPRAYAS

बिलासपुर
बुधवार, 29 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 25, अंक : 215
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 32.2
न्यून. 24.6

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

9 स्मृति ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ...

विचार पेज
2 शताब्दी का पर्व, राष्ट्र चेतना का उत्सव

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला
केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

50 लाख कर्मचारी और 69 लाख पेंशनधारकों को होगा लाभ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दे दी। आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन ढांचे में बदलाव एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाने का अनुमान है।

आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी, रंजना करेंगी अध्यक्षता, 1 जनवरी से नया वेतनमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

वेतन आयोग की सिफारिशों से लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और 69 लाख पेंशनधारक लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दी गई। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी।

वेतन आयोग केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और अन्य सुविधाओं में संशोधन संबंधी सिफारिशें करेगा। आयोग को अपने गठन की तारीख से 18 माह के भीतर अंतिम रिपोर्ट और उससे पहले अंतरिम रिपोर्ट पेश करनी होगी। मंत्रिमंडल का यह निर्णय आयोग को स्थापित करने की जनवरी, 2025 में दी गई सैद्धांतिक मंजूरी के नौ माह बाद आया है। यह फैसला बिहार विधानसभा के लिए छह एवं 11 नवंबर को होने वाले मतदान के ▶▶शेष पेज 8 पर

10 साल में वेतन आयोग

आमतौर पर हर 10 वर्ष के अंतराल पर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की जाती हैं। इस परिपाटी को देखते हुए आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के भी जनवरी, 2026 से लागू किए जाने की संभावना है। सातवां वेतन आयोग फरवरी, 2014 में गठित हुआ था और उसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू की गई थीं।

1 जनवरी 2026 से लागू होने की उम्मीद- वैष्णव

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आठवां वेतन आयोग 18 महीने के भीतर सिफारिशें प्रस्तुत करेगा, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। मंत्री ने बताया कि आयोग की सिफारिशें रक्षा सेवा कर्मियों और लगभग 69 लाख पेंशनभोगियों सहित लगभग 50 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कवर करेंगी।

हर छह महीने में महंगाई भत्ता

केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन की क्रय शक्ति में महंगाई के कारण होने वाली गिरावट की भरपाई के लिए उनके महंगाई भत्ते में हर छह महीने पर बढ़ोतरी की जाती है। इसी के अनुरूप बदलाव सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी जाने वाली महंगाई राहत में भी किया जाता है। इसके अलावा राज्यों में भी सरकारें अपने कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के लिए केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर बदलाव करती हैं।

इधर, किसानों को सौगात

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना को मिली मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने चालू रबी सीजन (2025-26) के लिए पोषक तत्व आधारित 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना को भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने प्रति किलोग्राम के आधार पर नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी), पोटाश (के) और सल्फर (5) के लिए सब्सिडी अधिसूचित की है। वैष्णव ने बताया कि इस रबी के लिए सब्सिडी दरें पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14,000 करोड़ रुपये अधिक रखी गई हैं। ये दरें पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना के तहत तय की गई हैं, जिसमें आयात कीमतों, पोषक तत्वों की मांग, सब्सिडी भार और अधिकतम खुदरा मूल्य जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। नई सब्सिडी दरें 1 अक्तूबर से लागू होंगी। एनबीएस सब्सिडी व्यवस्था के अंतर्गत 28 ग्रेड के पी और के उर्वरक शामिल हैं।

तय सब्सिडी दरें

- नाइट्रोजन : 43.02 प्रति किलो
- फॉस्फोरस : 47.96 प्रति किलो
- पोटाश : 2.38 प्रति किलो
- सल्फर : 2.87 प्रति किलो

बाइक से आए तीन नकाबपोशों ने सात पर की 15 राउंड फायरिंग, दो घायल

मस्तुरी पुराना बस स्टैण्ड नहर के पास हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड के पास एक आफिस के बाहर बैठे 7 लोगों पर बाइक से पहुंचे तीन नकाबपोशों ने अंधाधुंध 14 से 15 राउंड फायरिंग कर दी और भाग गए। गोली लगने से दो लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस गोली चलाने वाले नकाबपोशों की तलाश कर रही है। मस्तूरी टीआई हरीशचंद्र टाण्डेकर ने बताया, 28 अक्टूबर की शाम 6 बजे मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड चौक नहर के सामने तुकेश सिंह ठाकुर के आफिस के बाहर किरारी निवासी किसान चंद्रकांत सिंह, बस स्टैण्ड में काम ▶▶शेष पेज 8 पर

- मौके पर मिले 14 नग खाली खोखे

गोली चलने का कारण स्पष्ट नहीं

मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड के पास एक आफिस के बाहर बैठे लोगों पर बाइक सवार नकाबपोशों के द्वारा फायरिंग की गई है। दो लोगों को गोली लगी है। उनका अपोलो में इलाज चल रहा है। गोली चलने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। नकाबपोशों की तलाश की जा रही है।
-अर्चना झा एडिशनल एसपी ग्रामीण

सुपारी किलिंग की आशंका

जिस अंदाज से नकाबपोशों ने फायरिंग की है, इससे सुपारी किलिंग की आशंका जताई जा रही है। फायरिंग करने वाले शूटर हो सकते हैं। मस्तूरी क्षेत्र में ठाकुर परिवार का दबदबा है। इससे पुरानी रंजिश में सुपारी देकर फायरिंग कराने की आशंका जताई जा रही है।

पूर्व में मैग्नेटो मॉल के पास हुआ था खूनी संघर्ष

पूर्व में मस्तूरी किरारी निवासी कांग्रेसी नेता नितेश सिंह व मोहतरा निवासी विश्वजीत के गुटों में बिलासपुर स्थित मैग्नेटो मॉल के पास जमकर विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जानलेवा हमला कर दिया था। उक्त मामले में दोनों पक्ष जेल गए थे। इसके अलावा पिछले पंचायत चुनाव के दौरान भी ठाकुर के परिवार के साथ उक्त गुट का जमकर विवाद होने की चर्चा है। दोनों गुटों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। एक गुट को शहर के एक चर्चित बदमाश का संरक्षण मिलने की चर्चा जोरों पर है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

शिक्षकों के 4708 पदों पर होगी भर्ती, व्यापम लेगा परीक्षा

प्रदेश में शिक्षकों के 30 हजार पदों पर होगी भर्ती, पहले चरण में 4708 पद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

प्रदेश में शिक्षकों के 4708 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। वित्त विभाग से मंजूरी मिलने के बाद यह आदेश जारी किया गया है। सरकार द्वारा शिक्षकों के 30 हजार पदों पर भर्ती का ऐलान किया गया था, लेकिन पहले चरण में 5 हजार शिक्षकों की ही भर्ती होगी। जारी आदेश के अनुसार, व्याख्यता कंप्यूटर के 146 पद और योग प्रशिक्षक के 146 पदों को घटाते हुए शेष 4708 पदों पर भर्ती होगी। ▶▶शेष पेज 8 पर

परीक्षा ड्राफ्ट को पहले ही मंजूरी

शिक्षकों के लिए भर्ती परीक्षा व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा ली जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग से अनुमति मिलने के बाद व्यापम को परीक्षा के लिए खत लिखा जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग परीक्षा के ड्राफ्ट को पहले ही मंजूरी दे चुका है। व्यापम द्वारा अगले वर्ष के लिए कैलेंडर जारी किया जा चुका है। आने वाले परीक्षा संबंधित प्रस्ताव के लिए व्यापम ने तीन तिथियां आरक्षित रखी हुई हैं। आरक्षित की गई इन तिथियों के पूर्व भर्ती परीक्षा आयोजित करने संबंधित खत प्रेषित किए जाने की स्थिति में व्यापम द्वारा पृथक तिथि जारी की जाएगी।

विमानन सुरक्षा केंद्र होगा स्थापित

देश में विमान हादसों को रोकने की बड़ी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

विमान हादसों की जांच करने वाले अधिकारियों और विमानन पेशेवरों को वैश्विक मानकों पर प्रशिक्षण देने के लिए देश में एक राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित किया जाएगा। एएआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगांधर ने बताया कि दुनियाभर में विमान हादसे की जांच करने वाली एजेंसियों के सामने प्रशिक्षित जांचकर्ताओं ▶▶शेष पेज 8 पर

260 लोगों की स्मृति में मौन

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो कर रहा है। एएआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगांधर ने कहा कि विभिन्न देशों में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सिफारिशों का कार्यान्वयन अब भी एक 'अस्पष्ट क्षेत्र' बना हुआ है।

दिल्ली के कुछ इलाकों में कृत्रिम बारिश

आईआईटी कानपुर के सहयोग से सरकार का पहला ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आईआईटी-कानपुर के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण किया। अगले कुछ दिनों में इस तरह के और परीक्षण किए जाने की योजना है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि कृत्रिम बारिश की खातिर रसायनों का छिड़काव करने के लिए विमान ने कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी और मेरठ की हवाई पट्टी पर उतरने से पहले बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार जैसे क्षेत्रों में रसायनों का छिड़काव किया।

निजी स्लीपर बस में सवार थे 50 मजदूर

हाईटेंशन लाइन की चपेट में बस, 2 की मौत, 12 झुलसे

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर जिले के मनोहरपुर इलाके में मंगलवार को निजी स्लीपर बस में बिजली के तारों के संपर्क में आने के बाद आग लग गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। बस में 50 से ज्यादा मजदूर सवार थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि बस उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से मजदूरों को लेकर मनोहरपुर स्थित एक ईंट भट्टा जा रही थी। बस की छत पर मोटरसाइकिल, साइकिल सहित दूसरा घरेलू सामान रखा था।

बस में बाइक की होगी जांच

जयपुर की संभागीय आयुक्त पूनम ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि बस में सिलेंडर और बाइक जैसी चीजें कैसे ले जाई जा रही थीं। उन्होंने कहा कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान में जैसलमेर बस हादसे के बाद एक पखवाड़े के भीतर अपनी तरह का यह दूसरा हादसा है।

चिंतन

मोदी सरकार ने कर्मचारियों के हित में लिया बड़ा फैसला

सरकारी कर्मचारी समाज और सरकार के लिए बहुत जरूरी हैं, क्योंकि वे सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करते हैं, जो समाज के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सरकारी कर्मचारी ही देश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे समाज में स्थिरता और सुरक्षा बनी रहती है। वे सरकार की नीतियों और विकास योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करते हैं, जिससे समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके। कर्मचारी सरकारी विभागों, संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों के माध्यम से रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। ऐसे में सरकार का भी दायित्व बनता है कि समय-समय पर कर्मचारियों के हितों और उनकी जरूरतों को पूर्ण किया जाए। ऐसा ही कदम केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने मंगलवार को उठाया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी है। यह आयोग केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों की समीक्षा करेगा और उसी के आधार पर सैलरी में बढ़ोतरी की सिफारिश करेगा। आयोग को अपनी रिपोर्ट साल 2026 तक सौंपनी होगी। आमतौर पर वेतन आयोग का गठन हर दस साल में किया जाता है। पिछला यानी 7वां वेतन आयोग 2014 में बना था और इसकी सिफारिशें 2016 में लागू की गई थीं। केंद्र सरकार द्वारा गठित वेतन आयोग एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति होती है, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के वेतन और भत्तों की समीक्षा कर उन्हें वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार न्यायोचित बनाना होता है। यह आयोग सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को ऐसा वेतन मिले, जिससे वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसके अलावा यह पेंशन, महंगाई भत्ता, चिकित्सा और आवास जैसी सुविधाओं से जुड़ी नीतियों में सुधार की सिफारिशें भी करता है। वेतन आयोग का गठन सामान्यतः हर 10 वर्ष में एक बार किया जाता है। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। सरकार आर्थिक स्थिति, महंगाई और राजकोषीय जरूरतों को देखते हुए इसे पहले या बाद में भी गठित करती रही है। वेतन आयोग का लाभ केवल उन्हीं कर्मचारियों को मिलता है, जिन्हें केंद्र सरकार के कंसोलिडेटेड फंड से वेतन प्राप्त होता है। यानी, केंद्रीय सिविल सेवाओं के सभी अधिकारी और कर्मचारी इसके दायरे में आते हैं। इसके बाद राज्य सरकारें भी अपने कर्मचारियों के लिए केंद्र की तर्ज पर ही वेतन संशोधन का कार्य करती हैं। वेतन आयोग देखता है कि पिछले वर्षों में महंगाई दर कितनी बढ़ी है और इसका कर्मचारियों की जीवनशैली पर क्या असर पड़ा है। महंगाई बढ़ने पर आयोग वेतन वृद्धि का अनुपात उसी अनुसार तय करता है। आयोग यह भी देखता है कि कर्मचारियों की उत्पादकता और कार्यकुशलता में कितना सुधार आया है। यदि प्रदर्शन बेहतर है, तो सिफारिशों में इसका असर दिखाई देता है। आयोग निजी क्षेत्र में मिलने वाले वेतन का भी अध्ययन करता है, ताकि सरकारी और निजी कर्मचारियों के बीच अत्यधिक असमानता न रहे। इसका देश की अर्थव्यवस्था पर भी खासा प्रभाव पड़ता है। जब कर्मचारियों की जेब में पैसा होता है तो बाजार में खरीददारी ज्यादा होती है। इससे अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार भी वेतन आयोग की रिपोर्ट के बाद कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है।

आरएसएस के सौ वर्ष

कैप्टन अभिमन्यु

शताब्दी का पर्व, राष्ट्र चेतना का उत्सव

संघ की शताब्दी केवल एक इतिहास नहीं, बल्कि एक सतत चलने वाली साधना है। यह देश और समाज प्रेम की भावना को कूट-कूट कर भरती है। संघ की यह यात्रा हर भारतवासी को प्रेरित करती है कि वह अपने जीवन में सेवा, अनुशासन और समर्पण के आदर्शों को अपनाए। यही मूल मंत्र भारत को विश्वगुरु बनाएगा और दुनिया में भारत की पताका फहराएगी। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक हमेशा तत्पर हैं और भारत जैसे विशाल देश को आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्त बनाने की भावना के साथ लगातार तत्परता से काम कर रहे हैं। "चरैवेति चरैवेति" यही संघ का मूल मंत्र है। निरंतर कर्म, निरंतर सेवा, और निरंतर राष्ट्र के प्रति समर्पण यही भारत की शक्ति है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होना सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गर्व और गौरव का विषय है। यह केवल एक संगठन की शताब्दी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, संगठन, सेवा, संस्कृति और संस्कारों की सौ वर्षीय साधना का उत्सव है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर, 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन नागपुर में की थी। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा प्रज्ज्वलित वह दीप आज करोड़ों स्वयंसेवकों के जीवन में त्याग, अनुशासन और समर्पण का आलोक बन चुका है। संघ की शताब्दी केवल एक इतिहास नहीं, बल्कि एक सतत चलने वाली साधना है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी में राष्ट्र-प्रेम, भाईचारे और समाज सेवा की भावना का संचार करती है। यह देश और समाज प्रेम की भावना को कूट-कूट कर भरती है।

संघ से प्रेरित हर शख्स देश, समाज और राष्ट्र सेवा के लिए हमेशा तैयार रहता है। संघ के स्वयंसेवक देश और समाज के लिए हमेशा सजग रहते हैं। परिस्थितियां चाहें कैसी भी हो, संघ के स्वयंसेवक देशप्रेम की भावना से कभी विमुख नहीं होते। देश के लिए हमेशा कुछ कर गुजरने का जज्बा इनमें देखते ही बनता है। निरंतर कर्म का शाश्वत संदेश संघ की यात्रा हमारे ऋषि-मुनियों की उस अमर वाणी का स्मरण कराती है।"चरैवेति... चरैवेति...", अर्थात रुकना नहीं, थकना नहीं, हारना नहीं। यही सतत कर्म और निस्वार्थ सेवा का भाव संघ की आत्मा है। संघ के स्वयंसेवक इस भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक राष्ट्र सेवा का प्रकाश पहुंचा रहे हैं। यह वही भाव है, जिसने हर कठिन परिस्थिति में संघ को और अधिक सशक्त बनाया है। चाहे देश का विभाजन काल हो, प्राकृतिक आपदाएं हों या समाज के भीतर फैला विषमता का अंधकार, स्वयंसेवक सदैव राष्ट्रसेवा में अग्रणी रहे हैं। उनमें समाज सेवा के लिए किसी भी हद जक जाने का जज्बा हमेशा विद्यमान रहा है। जो उनकी सेवा और समर्पण को दर्शाता है। यह सौ साल यानी वर्ष 1925 से चली आ रही परंपरा आज भी निर्बाध गति से जारी है। यह एक साधना है। इसमे तपकर निकले सेवकों ने हमेशा देश और समाज का मान बढ़ाया है। दुनिया में देश की पताका फहराने का काम किया है। यही हिम्मत और जोश इन्हें आमजन से अलग बनाता है। सेवा, संगठन और संस्कार की अद्भुत त्रिवेणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले सौ वर्षों में समाज जीवन के हर क्षेत्र में सृजनात्मक भूमिका निभाई है। संघ की प्रेरणा से देशभर में हजारों सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संगठन कार्यरत हैं। जो समाज में महती भूमिका निभा रहे हैं। विद्या भारती ने संस्कारयुक्त और राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा प्रणाली को जन-जन तक पहुंचाया। इससे हजारों युवा शिक्षा ग्रहण कर अपने जीवन को सफल बना चुके हैं। आज भी बच्चे और युवा संघ के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर समाज और देश सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। सेवा भारती ने निर्धन, वंचित और आपदा-ग्रस्त लोगों के जीवन में आशा की किरण जगाई। इसके जरिये समाज के गरीब और वंचित तबके को आगे लाकर मुख्यधारा में जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके लिए संघ सेवक हमेशा तैयार हैं और हर लड़ाई लड़ने के लिए सज हैं। ग्रामोदय अभियान और एकात्म मानव दर्शन पर आधारित कार्यों ने स्वावलंबी

भारत की नींव रखी। इसके जरिये ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की धारा से जोड़ने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए हैं। कहा जाता है शहर के विकास का रास्ता गांवों से ही होकर गुजरता है। आरएसएस ने इस भावना को और आगे बढ़ाया और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए ग्रामोदय अभियान शुरू किया और गांवों के विकास के पथ पर आगे बढ़ाया। राष्ट्र सेविका समिति ने मातृशक्ति को संगठन और नेतृत्व के केंद्र में स्थापित किया। इसका उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में शामिल करना है। "संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक यह मानता है कि संगठन की शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है। जब समाज संगठित होता है, तब राष्ट्र सशक्त होता है।" इसलिए नारी सशक्तिकरण भी बेहद जरूरी है। इसी भावना को देखते हुए राष्ट्र सेविका समिति लगातार महिलाओं को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है। आज भारत "वसुधैव कुटुम्बकम" के मंत्र के साथ विश्व मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस विचार की जड़ें संघ के संस्कारों में गहराई तक विद्यमान हैं। संघ ने विश्व भर में भारतीय संस्कृति, परिवार मूल्यों और सामाजिक एकता का संदेश पहुंचाया है। विदेशों में भी हजारों स्वयंसेवक भारतीय जीवन-दृष्टि के प्रचारक बनकर "भारत की आत्मा" को जीवित रखे हुए हैं। यह वही विचारधारा है जो कहती है कि "हम सब एक परिवार हैं, हमारा सुख और दुःख समाज के सुख-दुःख से जुड़ा है।" यही भावना विश्व पटल पर भारतीय दृष्टि की पहचान है। इसी धारणा को लेकर संघ ने दुनिया में भारत का नाम चमकाया है। अपनी संस्कृति से दुनिया को अवगत करवाया और देश में सामाजिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। इससे एकता और भाईचारे की भावना बढ़ी और लोगों में एक दूसरे पर विश्वास कायम हुआ। अब जब भारत "अमृत काल" में प्रवेश कर चुका है, तब संघ की भूमिका और भी व्यापक होती जा रही है। अब जिम्मेदारियां और बड़ी हैं। इनको समय पर पूरा करना और देश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना जैसी चुनौतियों को समय पर पूरा करना होगा। तभी अमृतकाल का यह समय सार्थक होगा और हर भारतीय गर्व से कह सकेगा की मैं अब आत्मनिर्भर हूं। अब संघ का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण ही नहीं है, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारित भारत का निर्माण करना है। संघ का संकल्प है कि आने वाले सौ वर्षों में भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया जाए और भारत दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाए। इसके लिए संघ लगातार दृढ़ता के साथ काम कर रहा और आगे बढ़ रहा है। संघ के स्वयंसेवक देश के हर कोने में यह संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं कि सेवा ही धर्म है। राष्ट्र ही सर्वोपरि है और संगठन ही शक्ति है।

यह एक सतत साधना का शतक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी केवल बीते सौ वर्षों का स्मरण नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों का संकल्प भी है। यह उस जीवन दृष्टि का उत्सव है, जिसमें व्यक्ति का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित होता है। संघ की यह यात्रा हर भारतवासी को प्रेरित करती है कि वह अपने जीवन में सेवा, अनुशासन और समर्पण के आदर्शों को अपनाए। यही मार्ग भारत को सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक हमेशा तत्पर हैं और भारत जैसे विशाल देश को आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्त बनाने की भावना के साथ लगातार तत्परता से काम कर रहे हैं। यही मूल मंत्र भारत को विश्वगुरु बनाएगा और दुनिया में भारत की पताका फहराएगी। "चरैवेति चरैवेति" यही संघ का मूल मंत्र है। निरंतर कर्म, निरंतर सेवा, और निरंतर राष्ट्र के प्रति समर्पण यही भारत की शक्ति है।

(लेखक पूर्व वित्त मंत्री, हरियाणा एवं सामाजिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

दो टूक

उमेश चतुर्वेदी

वीजा नियमों के उल्लंघन की छूट किसी को नहीं

दीपावली के अगले दिन यानी 21 अक्टूबर की सुबह भारत के अखबार दिल्ली समेत समूचे उत्तर भारत की दमघोटूं जहरीली हवा की खबरों से भरे हुए थे। उन्हीं खबरों के बीच एक छोटा-सा समाचार अखबारों के पन्नों के बीच खो गया था। खबर यह थी कि लंदन में रह रही इतालवी मूल की हिंदी विद्वान फ्रांचेस्का ओरसिनी को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ही हांगकांग वापस भेज दिया गया। भारतीय मनीषा के बीच फ्रांचेस्का का नाम उनके हिंदी और उर्दू अध्ययन के लिए जाना-पहचाना है। लिहाजा इस समाचार को हिंदी का बौद्धिक समाज ले उड़ा। वामपंथ वर्चस्व वाले भारत के बौद्धिक समाज के लिए यह समाचार अहर्निश रूदन की अगली कड़ी साबित हुआ। सोशल मीडिया का हर मंच ओरसिनी की वापसी को लेकर सरकार पर हमलों से भर उठा। एक कहावत है, कौवा कान ले उड़ा। हिंदी के बौद्धिक समाज की हालत भी कुछ वैसी ही है। साहित्य की चाहे जितनी भी किताबें वह पढ़ ले, लेकिन ज्ञान के दूसरे अनुशासनों में उसकी वैसी गति नहीं है। दिलचस्प यह है कि हिंदी का समाज इन दिनों शोध से भी उफन रहा है, लेकिन किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं कि आखिर ओरसिनी को अधिकारियों ने क्यों हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया। भारत सरकार के अधिकारियों की भी गलती रही कि उन्होंने ओरसिनी को वापस भेजने की नैरेटिव केंद्रित हो चुके भारतीय समाज के लिए संभावित गंभीरता को नहीं समझा। उन्हें तत्काल इसकी जानकारी देनी चाहिए कि भारत विद् के तौर पर विख्यात ओरसिनी को वापस क्यों भेजा। हिंदी के बौद्धिक समाज के कुछ कूपमंडूक टाइप लोगों की नजर में ओरसिनी की वापसी केंद्र सरकार के डर को जाहिर करता है। कुछ ने तो उनके हिंदी और उर्दू के तुलनात्मक अध्ययन को भी इसका कारण मान लिया। अधिकारियों का ओरसिनी को वापस भेजते वक्त इन तथ्यों की ओर ध्यान गया या नहीं, लेकिन हिंदी का बौद्धिक समाज तरह-तरह की बातें बताने लगा। उसकी नजर में चूंकि ओरसिनी उर्दू और हिंदी के बीच जिस तरह के संबंधों की व्याख्या करती हैं, इसलिए वह मौजूदा कथित हिंदुत्ववादी सरकार को परेशानी है। किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं कि वीजा को लेकर राष्ट्रों के कैसे-कैसे नियम हैं। जरा दूसरे देशों में वीजा नियमों का उल्लंघन करके देखिए, लोकतंत्र का परचम फहराने और दुनिया को लोकतंत्र की ताकीद करने वाले देश अमेरिका हो या ब्रिटेन या ऑस्ट्रेलिया या फिर यूरोप के दूसरे देश, आपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया नहीं कि आपको वहां से दर-बदर कर दिया जाएगा। इस्लामी और तानाशाही शासन व्यवस्था वाले देशों की बात तो इससे भी आगे है। इसमें दो राय नहीं है कि 'द हिंदी पब्लिक स्फेयर, 1920-1940' और 'प्रिंट एंड प्लेजर' ओरसिनी की बहुचर्चित और गंभीर पुस्तकें हैं। द हिंदी पब्लिक स्फेयर उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक है, जो आधुनिक भारतीय साहित्यिक अध्ययन में मील का पत्थर मानी जाती है। 1920 से 1940 के बीच हिंदी किस तरह भारत के विकसित हो रहे राष्ट्रवाद और उसके समाज के मूल्यों को स्थापित करने का वाहक बन रही थी, इस पुस्तक में इसकी गहन मीमांसा है। इसी तरह उन्होंने प्रिंट एंड प्लेजर नामक पुस्तक में औपनिवेशिक काल के उत्तरी भारत में हिंदी और उर्दू के वाणिज्यिक प्रकाशनों का विश्लेषण किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे वीजा नियमों का उल्लंघन करें। वे भारत की नागरिक नहीं हैं। लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज की प्रोफेसर ओरसिनी भले ही जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ी हैं, भले ही हिंदी पर उनका अधिकार है। इसका मतलब यह नहीं है कि भारतीय कानूनों का उल्लंघन करें। बेशक उनके पास भारत का पांच साल का पर्यटक वीजा है। लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और गृहमंत्रालय की नजरों में उन्होंने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। वह पर्यटक वीजा पर भारत आती रहीं, लेकिन शोध और अध्ययन में शामिल रहीं। भारत के अधिकारियों ने जब उनकी गतिविधियों की समीक्षा की तो उन्हें वीजा नियमों का उनके द्वारा उल्लंघन की बात सामने आई। लिहाजा बीते मार्च में उन्हें ब्लैक लिस्टेड घोषित कर दिया। हिंदी के कुछ बौद्धिकों को भारत सरकार की इस कार्रवाई से शर्म आ रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा और नियमों के उल्लंघन को लेकर अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। ओरसिनी के मामले को इन्हीं संदर्भों में देखा और परखा जाना चाहिए। जिन्हें हांगकांग वापस भेज दिया, इसलिए कि वे हांगकांग से ही भारत आई थीं।

(ये उनके अपने विचार हैं।)

बहुत-सी परेशानियों का कारण हमारा मोह

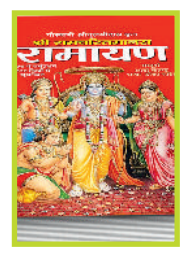

संकलित

दर्शन

श्रीरामचरितमानस और अन्य ग्रंथों का जीवन में महत्व समझें। आप कह सकते हैं कि भागदौड़ भरे जीवन में ग्रंथ पढ़ने का समय कहां से निकाले? मैं कहता हूं कि आज के इस दौर में तो इंटरनेट के जरिए भी बहुत से ग्रंथ पढ़ कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। ये ग्रंथ हमारे गुरु हैं। कलिकाल में समस्याओं के समाधान का एक बड़ा साधन और उपाय हरि नाम है। स्वयं भगवान शिव राम नाम जपते हैं। राम परम तत्व हैं। हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण हमारा मोह है। मोह रूपी रावण को राम ने मारा था। हमारे भीतर महामोह का महिषासुर बैठा है। महिषासुर का वध राम ने नहीं, मां काली ने किया था। इसे मारने के लिए हम राम कथा का सहारा लें। राम कथा एक ओर जहां काली के रूप में कराल है, तो वहीं चंद्रमा की किरणों की तरह उसमें कोमलता-शीतलता भी है। प्रसन्न रहना है तो प्रत्येक व्यक्ति पर, प्रत्येक बात और प्रत्येक परिस्थिति पर संदेह करने की आदत छोड़नी होगी। एक समय सती ने शिव की बातों का विश्वास नहीं किया और भगवान की परीक्षा लेने लगीं। इस कारण अंत में उन्हें शिव वियोग का सामना करना पड़ा। शंकर विश्वास हैं। भक्ति में संशय का कोई स्थान नहीं। विश्वास जीवन है, संशय हमें नाश तक ले जाता है। एक बात और, किसी भी विपरीत परिस्थिति या किसी भी कठिनाई को विपत्ति मत समझें। श्रीरामचरितमानस की प्रसिद्ध पंक्ति है- कह हनुमंत बिपति प्रभु सोई। जब तव सुमिरन भजन न होई।।

योजना बनाकर किए काम में मिलती है सफलता

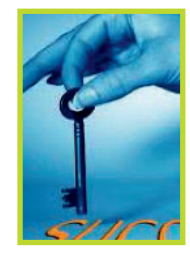

संकलित

प्रेरणा

रामायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

अंतर्मन

आज की पाती

पराली का हो उचित प्रयोग

पराली को जलाना वायु को तो प्रदूषित करती ही है, साथ ही खेतों की उपजाऊ क्षमता को भी कम करती है। किसानों को यह समझना और समझाना जरूरी है कि अगर वो पराली को ऐसे ही जलाते रहेंगे तो उनके खेत बंजर भी हो सकते हैं। अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉन हॉफस्ट्रैंड के अनुसार हम जिस पराली को परेशानी समझ रहे हैं, वह ऊर्जा का बेशकीमती स्रोत है। धान, मक्का, गेहूं जैसी फसलों के अवशेष का इस्तेमाल फाइबर बोर्ड और कागज बनाने में किया जा सकता है। अगर पेपर इंडस्ट्री में इसका इस्तेमाल हो तो कागज बनाने के लिए जरूरी फाइबर का लगभग चालीस फीसदी हिस्सा फसलों के अवशेष से मिल सकता है। इस तरह पराली का सही उपयोग सुनिश्चित बनाना होगा। – *महेश सराफ, राजनांदगांव*

ट्रेंड

राष्ट्र निर्माण में योगदान

विकसित भारत युवा नेता संवाद 2.0 हमारे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक शानदार अवसर है। हमारे युवाओं के विचार और अंतर्दृष्टि, विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

महाझूठ का पुलिंदा

महागठबंधन का घोषणापत्र "महाझूठ का पुलिंदा" है। बिहार की जनता को गुमराह करने, धोखा देने और भ्रष्टाचार व जंगलराज को वापस लाने की साजिश! जनता ने पहले ही इनके हर झूठे वादे को नकार दिया है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

आदिवासियों की आवाज

खुद को आदिवासियों की हितैषी बताने वाली हेमंत सरकार अब उन्हीं की आवाज को दबाने के लिए बर्बरता पर उतर आई है। अपनी मांगों के लिए ने स्थानीय विधायक के आवास पर जाने की कोशिश की, तो उन्हें रोकने के लिए धारा 144 लागू कर दी।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

एसआईआर प्रक्रिया

करीब 20 साल पहले भी एसआईआर प्रक्रिया हुई, तब कोई विरोध नहीं हुआ। अब चुनाव आयोग ने ही ऐसा माहौल बना दिया जिससे आमजन के मन में शक पैदा हुआ है। एसआईआर से जनता के मन में मताधिकार छीनने की आशंका पनप गई है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

द. अफ्रीका तीन साल बाद 'ग्रे सूची' से बाहर निकला

दक्षिण अफ्रीका को करीब तीन साल बाद वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की संदिग्ध (ग्रे) सूची से बाहर निकलने में सफलता मिली है। वैश्विक धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था ने पिछले सप्ताह पेरिस में अपनी तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के समापन के बाद इस निर्णय की घोषणा की। एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और ऐसे देशों को धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण आदि का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होता है। दक्षिण अफ्रीका के वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'गत 32 महीनों में, दक्षिण अफ्रीका ने कार्य योजना की प्रगति का आकलन करने के लिए एफएटीएफ द्वारा नियुक्त समीक्षकों की एक टीम के साथ काम किया है।'बयान के मुताबिक, 'इस सहयोग की वजह से जुलाई 2025 के अंत में समीक्षकों ने मौके का मुआयना किया। इस दौरान समीक्षक सुधारों की स्थिरता की पुष्टि करने के लिए यहां आए और उनके द्वारा तैयार रिपोर्ट एफएटीएफ के समक्ष प्रस्तुत की गई।' बयान में कहा गया कि एफएटीएफ को आश्वासन दिया गया कि सरकार धन शोधन निरोधक और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने (एएमएल/सीएफटी) वाली प्रणाली में स्थायी सुधार के लिए प्रतिबद्धता है।

ऑफ बीट

'चैटजीपीटी एटलस' से इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर होगा शुरू

ओपनएआई ने पिछले सप्ताह 'चैटजीपीटी एटलस' नामक वेब ब्राउज़र पेश किया जिसे इंटरनेट के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह बदलने वाला कदम बताया जा रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने इसे "दशक में एक बार मिलने वाला अवसर" बताते हुए कहा कि यह लोगों के इंटरनेट उपयोग के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करेगा। एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। 'एजेंट मोड' : सुविधा के साथ जोखिम एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका "एजेंट मोड" है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे "मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो", तो यह सुविधा न केवल विकल्प ढूंढेगी, बल्कि स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

URMILA MEMORIAL HOSPITAL

200 BEDDED MULTI-SUPER SPECIALITY HOSPITAL

UMH™ आयुष्मान भवः

24X7 EMERGENCY HEART & NEURO

NABH PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE CERTIFIED

QCI Quality Council of India Membership

सेवा समर्पण विश्वास के 3 वर्ष

सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक, सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा

3 वर्षों की उपलब्धियां

उत्कृष्टता केंद्र : अत्याधुनिक गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिकल केंद्र

- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी हाइलाइट्स:
- 5,000 से अधिक एंडोस्कोपी
- 1,000 से अधिक कोलोनोस्कोपी
- 150 से अधिक ईआरसीपी (एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैनक्रिएटोग्राफी) प्रक्रियाएं
- 1,50 से अधिक एंडोस्कोपिक बैंडिंग प्रक्रियाएं
- 150 से अधिक एंटी-रिफ्लक्स सर्जरी
- 100 से अधिक पेट के कैंसर के मरीजों का सफल उपचार
- 800 से अधिक लीवर रोगियों का उपचार
- 8,000 से अधिक पेट और लीवर रोगों के मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज

अत्याधुनिक इमरजेंसी रेडी सेंटर:

- 500 से अधिक ट्रॉमा और दुर्घटना मामलों का प्रबंधन
- 500 से अधिक कार्डिएक एंजियोप्लास्टी
- 50 से अधिक कार्डिएक सर्जरी
- 1,000 से अधिक आर्थोपेडिक सर्जरी
- 200 से अधिक इमरजेंसी गायनिक सर्जरी
- 1500 से अधिक ब्रेन हेम्ब्रेज मरीजों का इलाज
- उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अत्याधुनिक गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिकल सुविधाओं से सुसज्जित है, जहां अनुभवी डॉक्टरों और आधुनिक तकनीक की मदद से पेट और लीवर संबंधी गंभीर बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

डॉ. विनोद कुमार सिंह
एमबीबीएस, एम.एस., एफएआईईजीएस, डी. मास, एफ. मास जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन एन्टी रिकल्स सर्जरी विशेषज्ञ

श्रीमती नम्रता सिंह
मैनेजिंग डायरेक्टर

डॉ. छत्रपाल सिंह साहू
DM न्यूरोलॉजी, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ

डॉ. जिनेश जैन
DM कार्डियोलॉजी, हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. अभिषेक त्रिपाठी
एम.एस., ऑर्थोपेडिक

डॉ. पंकज अरोरा
एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. शांतनु तिवारी
एम.एस., डी.एन.डी., कैंसर सर्जरी

डॉ. सन्नी उत्तमानी
डी.एम., गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी

डॉ. प्रवेश शुक्ला
गैस्ट्रो सर्जरी

डॉ. संजीव सिंह
एम.डी., मेडिसीन

डॉ. मंजू नेभानी
एम.डी., गायनिक

डॉ. आर.के. साहू
डी.एम., नेफ्रोलॉजी

डॉ. अभिषेक अग्रवाल
एम.डी., एनेस्थिसिया

डॉ. एस. श्रीनाथ
एम.डी, क्रिटिकल केयर

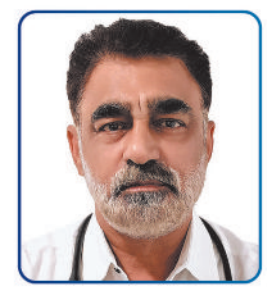

डॉ. नीतिश दुआ
एम.डी., पीडियाट्रिक्स

डॉ. जयदीप द्विवेदी
एम.सी.एच., कार्डियेक सर्जरी

डॉ. रमन्ना
एम.सी.एच., कार्डियेक एवं वैस्कुलर सर्जरी

डॉ. देवेन्द्र रहंगडाले
एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. गगनदीप सलूजा
एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. सुप्रियो दत्ता
एम.एस., ऑप्थल्मोलॉजी

डॉ. रोशन राठौर
एम.डी., चेस्ट

डॉ. शुभम दुबे
मेक्सियोफेशियल विशेषज्ञ

VISITING CONSULTANTS

डॉ. मनीष
एम.सी.एच., न्यूरोसर्जरी

डॉ. अनिरूद्ध गुप्ता
एम.सी.एच., प्लास्टिक सर्जरी

डॉ. अखिलेश साहू
आन्कोलॉजिस्ट

डॉ. शशिकांत
एम.डी. सायकेट्री

डॉ. ए. यादव
एम.सी.एच., यूरोलॉजी

विशेषज्ञ विभाग

- पेट एवं लिवर रोग
- पेट के कैंसर
- कार्डियोलॉजी
- कार्डियो सर्जरी
- न्यूरोलॉजी
- न्यूरो सर्जरी
- ऑर्थोपेडिक सर्जरी
- गायनिक सर्जरी
- यूरोलॉजी
- ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
- इमरजेंसी मेडिसिन
- एक्सीडेंट एवं ट्रामा
- डायबिटिक एवं डायबीटिक फुट
- बाल रोग विभाग
- मानसिक रोग
- कान, नाक एवं गला
- नेत्र रोग विभाग

Empanelment with :

Steel Authority of India (SAIL)
All TPA, Insurance, SECL, Railway, Airport, NTPC, CG State & Central Govt., CSEB

NAHAR ROAD, BHATAGAON, RAIPUR (C.G.) | 0771-4088820, 9109125524, 9589956859

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों के भाव पक्ष में समाहित जीवन के तत्व

लोक गीत
कमल सार्वा

छत्तीसगढ़ी में जीवन के विभिन्न क्षणों, संदर्भों एवं भावों को व्यक्त करने वाले गीतों की कमी नहीं है। छत्तीसगढ़ का जन जीवन जैसे गीत और संगीत की लय पर झूमता रहता है। लगता है निर्धनता, अभावों और पीड़ाओं से लिपटी यहां की जिंदगी को गीत और संगीत ने ही जीने का संबल दिया है। अभावों से जूझते हुए यहां के अधरों पर लोक गीतों के जो फूल खिले हैं उनकी सुगंध से सारा वातावरण महक उठा है। यहां का कोई उत्सव, मुस्कान, पर्व, आंसू ऐसा नहीं है जिसे इन लोक गीतों ने न दोहराया हो, जिसे इन गीतों ने स्वर न दिया हो।

आकाश में जब काले काले बादल झूमते मचल उठते हैं तो धान के खेतों की हरियाली मेड़ों पर से

ददरिया के मादक स्वर अंकुराते हुए बीजों की तरह फूट उठते हैं और अपने माधुर्य से सारे वातावरण को भर देते हैं। श्रृंगार की ऐसी इंद्रधनुषी फुहार पड़ने लगती है, जिसमें कृषि का सारा श्रम धुल जाता है। वर्षा की बिदाई के साथ ही गुलाबी शीत के सुहाने मौसम में जब छत्तीसगढ़ दीपोत्सव के उज्जवल प्रकाश में डूब जाता है, यहां की नारी कण्ठो से निकले सुआ गीतों से मुखरित हो उठती है। चारों ओर करुणा की एक कोमल धारा प्रवाहित होने लगती है। वियोगिनी की पीड़ा हर श्रोता के हृदय में उतर आती है और आंसू पलकों पर छा जाते हैं। जब पलास की कली कली लाज से रंग उठती है, अमराई जब अपने ही उमड़ते यौवन की सुगंध से बौरा उठती है, जब बसंत का यौवन रंग बिरंगे पुष्पों के रूप में फूट कर अपने उभार पर आ जाता है तब छत्तीसगढ़ का वायुमंडल फाग नामक बसंत गीतों से गूंज उठता है। श्रृंगार और भक्ति से इन गीतों में ऐसी मस्ती है, ऐसा उल्लास है जो गायकों के हृदय में न समाकर फूट पड़ता है। प्रकृति में फूट पड़ने वाले पल्लव की तरह, कलियों की तरह, फूलों की तरह। साहित्य में नौ स्थायी भाव प्रतिष्ठित हैं जो परिपुष्ट होकर क्रमशः सभी रस का रूप धारण करते हैं।

लोक साहित्य
उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के अध्येता

लोक हमारी सामाजिक चेतना की गंगोत्री है। इसी ने समय के साथ सभ्यता और संस्कृति के विविध सोपान गढ़े हैं। अतः लोक कला चेतना, लोक संस्कृति और साहित्य की उपेक्षा नहीं की जा सकती। मगर ज्यों ज्यों हम सभ्यता की ओर अग्रसर हुए हैं, इसकी लगातार उपेक्षा हुई है। पढ़े लिखे तथा कथित सुसंस्कारित समाज ने साहित्य और लोक को बांट दिया है। परिणामस्वरूप सभ्य समाज का साहित्य, शिष्ट साहित्य अनपढ़ गंवारो का साहित्य मान लिया गया। यह विभाजन अंग्रेजों के फोक लिटरेचर की देन है, जहां लोक बौद्धिकता और सभ्यता की सीमा रेखा के उस पार है। पश्चिम के कई विद्वानों की परिभाषा में लोक का अर्थ पुरातन है। यद्यपि भारतीय अवधारणा इस परिभाषा से मेल नहीं खाती और अधिकांश विद्वान इसे लोक से अलग कर देखते हैं। मगर फिर भी जितना और जैसा अध्ययन शिष्ट साहित्य या लिखित साहित्य का हुआ है, उतना लोक साहित्य का नहीं। कारण बहुत से हैं उनमें से एक यह भी है कि लोक साहित्य नगरों से दूर ग्रामीण अंचलों में सिमटा हुआ है, उसे ढूंढने में, उसके अध्ययन में बहुत अधिक ऊर्जा और उससे अधिक लगन की आवश्यकता होती है और हमारे सुविधाभोगी समाज में इन दोनों का अभाव रहा है। फिर भी शिष्ट साहित्य से जुड़े अनेक ऐसे लोग हैं जिन्होंने सारी सुविधाओं को छोड़ कर लोक का अध्येता होना स्वीकार किया और वह लोक साहित्य, जो अब तक का अनजाना था, उसका लेखन संकलन और परिवर्तन किया। उस अंचल के लोक साहित्य का अध्ययन और उसके अध्येताओं को अंगुलियों में गिना जा सकता है, छत्तीसगढ़ ऐसा ही अंचल है।

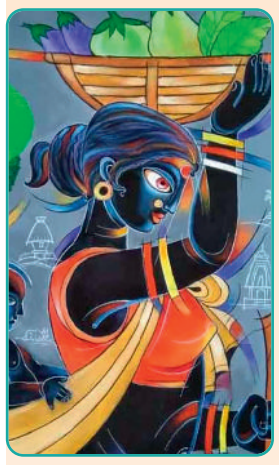

ऐतिहासिक
डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र

कल्चुरीकालीन चक्रकोट का छिंदक नागवंश

चक्रकोट या प्रारंभिक इतिहास की जानकारी हमें प्राप्त शिलालेखों, ताम्रमुद्राओं, स्वर्ण मुद्राओं से प्राप्त होते हैं। डा फिल्ट के अनुसार नल नरेशों का शासन काल तुंगभद्र नदी के एक ओर रहा होगा। पुलकेशिन द्वितीय के शिलालेख में नल शासकों का उल्लेख है कि वे चालुक्य शासन के शत्रु थे। राष्ट्रकूट राज्य के अधीन करीम नगर के सरदार ने बस्तर में कुछ समय के लिए शासन किया होगा। इस वंश के राजा बड़ेग्गा के राजकाल में बैंगी के चालुक्य और कांची के चोल नरेशों ने बस्तर पर आक्रमण किए थे। बड़ेग्गा के पौत्र आरिकेसरी द्वितीय के दरबार में एक कन्नड़ कवि पंपा ने अपने काव्य ग्रंथ 'विक्रमार्जन विजयम' में बस्तर के अनेक स्थलों का वर्णन किया है। वेंगी के राजा विक्रमादित्य चतुर्थ का दरबारी कवि विल्हण ने अपने काव्य ग्रंथ 'विक्रमादेव चरितम ' में उल्लेखित किया है कि विक्रमादित्य ने चक्रकोट के किले पर आक्रमण कर उसे अपने अधिकार में ले लिया था। 10 वीं शताब्दी के प्रारंभ में बस्तर में नागवंशी राजाओं ने अपने राज्य की स्थापना की, जो रतनपुर के कल्चुरी राजाओं के प्रतिद्वंद्वी थे। यह नागवंशी नरेश छिंदक कुल के थे और चक्रकोट का रूपांतर आज का चित्रकूट है। छिंदक नागवंश के अनेक अभिलेख चक्रकोट अथवा पुरातन बस्तर राज्य के अंतर्गत बारसूर, पोटीनार, नारायणपाल, कुरूसपाल, गढ़िया, राजापुर, दंतेवाड़ा, जटनपाल, सोनारपाल, टेमरा आदि स्थानों में उपलब्ध है। पहले के अवधि में यह पूरा क्षेत्र चक्रकोट कहलाता था।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भितिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

परम्परा
डा. डी पी देशमुख

आदिवासी संस्कृति का देव मड़ई-ठेमा बुजुर्ग

दीपावली त्यौहार के बाद एक और उत्सवी व धार्मिक पर्व, मंडई की परंपरा पूरे राज्य में देखने को मिलती है। इन पर्वो में मेल- मिलाप, उमंग, उत्साह, धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। कुछ स्थानों में यह पर्व दीपावली के बाद के रविवार को होना निश्चित रहता है,जिसकी सभी को प्रतीक्षा रहती है। मैदानी भाग के व वन क्षेत्र में विशेषकर आदिवासी जाति के इन पर्वों के विधि-विधान भिन्न होते है। धार्मिक आस्था का प्रतिरूप आदिवासी समुदाय इसे देव- मंडई के रूप में मनाते हैं। बालोद जिला के डौंडी ब्लाक में ठेमा-बुजुर्ग का बहुचर्चित देव मंडई का आयोजन आदिकाल से होते आ रहा है। दिवाली पर्व के बाद प्रथम रविवार या सोमवार को नियत तिथि में आसपास के 20-25 गांवों के ग्राम्य देवी-देवताओं की उपस्थिति में ग्राम-ठेमा बुजुर्ग स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर के प्रांगण में यह देव- मंडई विधि-विधान से सम्पन्न होता है,जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रहती है।

जनश्रुति के अनुसार कई सौ साल पहले लांझीगढ़ में मरई राजा के पड़ोसी राजा ने लांझीगढ़ पर आक्रमण कर दिया था। युद्ध में परास्त मरई राजा अपनी फ़ौज के साथ पानाबरस पार कर डौंडी के समीप ग्राम कामता पहुंचे,वहाँ से घोरदा गांव होते हुए ठेमा नदी को पार कर बस्तर चले गए। इधर राजा के पुजारी व अन्य प्रजा भी आ गए थे। राजा के जाने के बाद नेताम पुजारी गण जिन्हें दीवान की उपाधि मिली थी,घोरदा होते हुए मरई राजा के देवी-देवता के साथ ठेमा पहुंचे,उनके साथ बची हुई सेना और प्रजा भी साथ में थे। सुरक्षा की दृष्टि से ठेमा में नियमित युद्ध कला का प्रदर्शन होता था इस कारण कालांतर में गांव का नाम ठेमा-कला रखा गया। नेताम दीवानों के बुजुर्ग पितामह भूमियार डोकरा की मृत्यु के बाद यहाँ समाधि बनी तत्पश्चात इस गांव का नाम ठेमा-बुजुर्ग हो गया।

नेताम दीवान व लांझी से आये अन्य प्रजा भी यहीं बस गए,उन्होंने भक्तिभाव से मां दंतेश्वरी की मूर्ति स्थापना की एवं साथ लाये अन्य देवी-देवताओं को स्थापित कर खपरैल का मंदिर निर्माण किया गया। यहाँ स्थानीय देवी-देवताओं को भी महत्व दिया गया। देवस्थल में प्राचीन अस्त्र-शस्त्र को भी सुसज्जित किया गया है। इसी स्थल पर सैकड़ों साल पहले से ठेमा-बुजुर्ग का देव मंडई-मेला प्रति वर्ष धूमधाम से होता आ रहा है। आयोजन के पूर्व मंडई समिति द्वारा आसपास के गांवों में निमंत्रण भेजता है,ग्रामीण अपने कुल देवी-देवता को लेकर मेले में आते हैं। ऐसी

मान्यता है कि निमंत्रण मिलने के बाद भी यदि गांव के लोग शामिल नहीं होते,तो उनके देवी-देवता नाराज हो जाते है और गांव में अनेक प्रकार की विपत्ति आती है। इस अंचल के सभी बैगा अपने दल-बल लेकर बाजा-गाजा के साथ मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में पहुंचते हैं, गांव वाले भी अपने दल के साथ डांग-मंडई लेकर आते हैं। दंतेश्वरी माता मंदिर का पुजारी और गांव का बैगा देवी-देवताओं का आव्हान कर एक दूसरे के कमर में हाथ डालकर,डांग लेकर आये लोगों के पास जाते हैं। बैगा अपने कुलदेवी को सुमरता है,तब उस पर देवता समाहित होता है और वह झूमने लगता है।ठीक वैसे ही डांग पकड़ने वाले भी झूमने लगते है,उसका पैर थमता नहीं है,वह मचलता है मां दंतेश्वरी के दर्शन करने के लिए। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद यह समझा जाता है कि देवी-देवता मंडई में प्रविष्ट हो गए। मंडई के निर्विघ्न सम्पन्न होने के लिए डांग लेकर,बाजा-गाजा के साथ बैगा व अन्य लोग पूरे मेला स्थल का परिक्रमा करते है। रंगबिरंगे परिधान में कुछ देवता चढ़े खुले बदन में बैग की भावभंगिमा, बाजा-गाजा के साथ भक्तिभाव से सराबोर यह दृश्य अत्यन्त ही रोमांचक व अद्भुत होता है जिसे मंडई में उपस्थित सभी दर्शक देखना चाहते हैं व देवी-देवताओं का आशीष लेना अपना परम सौभाग्य समझते हैं।

पुरातात्विक : राजेश पाण्डेय

सिरपुर में उत्खनन से देवी-देवताओं से संबंधित अवशेष अब भी हो रहे हैं प्राप्त

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 70 कि मी दूरी पर स्थित सिरपुर में लगातार उत्खनन होने से देवी देवताओं से संबंधित अनेक अवशेष आज भी प्राप्त हो रहे हैं। यहां गंधेश्वर मंदिर के सामने खाली जगह पर खुदाई का काम चल रहा है। लगभग तीन स्तर में 70 मीटर खुदाई करने पर तीन शरभपुरीय, सोमवंशी और कल्चुरी राजवंशों के शासन काल में निर्मित भवन और मन्दिरों के अवशेष मिले हैं। एक मिले स्तम्भ में चारों ओर उलूकवाहिनी लक्ष्मी, हलधर और मयूरासन सरस्वती की मूर्ति अंकित की गई है। शरभपुरीय वंश के एक शिवलिंग के नीचे तल में एक सोने की नंदी और अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। लगातार खुदाई का क्रम जारी है, और कई खंडित और जीर्ण शीर्ण अवस्था में बड़ी छोटी अनगिनत मूर्तियां मिल रही हैं। अभी भी प्राचीन अनेक अवशेषों के मिलने का क्रम जारी है। प्राप्त दुर्लभ प्रतिमाएं और अवशेषों को सहेजने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। पुरातत्ववेत्ता भी अपने अथक प्रयासों से तथ्यों को उजागर करने में कोई कमी नहीं कर रहे हैं। शासन प्रशासन भी इस कार्य में भरपूर सहयोग प्रदान कर रही हैं।

गांव की कहानी
विश्वनाथ देवांगन

मांडव्य ऋषि के नाम पर गांव मंडवाडीह

भगवान श्रीराम आरंग से महानदी मार्ग से आगे बढ़ कर फिंगेश्वर पहुंचे थे। घने जंगल के बीच यहां बाबा मांडव्य ऋषि के आश्रम के साथ कुटिया और यज्ञ शाला मौजूद है। अब यहां बसा गांव मंडवाडीह के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां ही बाबा मांडव्य ऋषि ने तपस्या की थी। मान्यता है कि भगवान राम अपने वनवास काल के दौरान फिंगेश्वर के फ़णिकेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर के राजिम जाने का रास्ता पूछा था, इसलिए यहां राम जानकी का मंदिर स्थापित किया गया है। इस आश्रम में ऐतिहासिक शिव मंदिर भी है। सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर कांवरिए भोलेनाथ के मंदिर में जल चढ़ाने आते हैं। वहीं इसके पास ही ग्राम हथखोज में सात नदियों का संगम है, जिसमें महानदी, पैरी, सोढूर, सुखा नदी, बेसला, सरगी और बगनई नदी की जलधारा मिलती है। इसलिए इस स्थान का नाम सप्तधारा पड़ा है।

सुरता : स्वराज करुण

विसंगतियों को निशाना बनाने वाले शीर्षस्थ व्यंग्यकार लतीफ़ घोंघी

छत्तीसगढ़ के जिला मुख्यालय महासमुन्द के पास ग्राम बेलसोंडा में 28 सितम्बर 1935 को लतीफ घोंघी का जन्म हुआ था। व्यंग्य साहित्य को समृद्ध बनाने में उनका अतुलनीय योगदान था। उनकी प्रकाशित रचनाओं और पुस्तकों की एक लम्बी सूची है।

लगभग आधी शताब्दी के उनके लेखकीय जीवन में विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में उनकी रचनाएं नियमित रूप से छपती रहीं। देश के अनेक प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों से उनके 35 से अधिक व्यंग्य संग्रह प्रकाशित हुए। इनमें तिकोने चेहरे (वर्ष 1964), उड़ते उल्लू के पंख (1968), मृतक से क्षमा याचना सहित (वर्ष 1974), बीमार न होने का दुःख (वर्ष 1977), संकटलाल जिंदाबाद (वर्ष 1978), बुद्धिमानों से बचिए (वर्ष 1988) और मंत्री हो जाने का सपना (वर्ष 1994) और बतरस भी उल्लेखनीय हैं। अपनी धारदार व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से उन्होंने हमेशा देश की सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक विसंगतियों पर निशाना साधा और व्यंग्य बाणों की बौछारों से व्यवस्था की विद्रुपताओं पर तीखे हमले किए। मुस्कुराहटों के साथ तिलमिलाहट उनकी व्यंग्य रचनाओं की विशेषता थी ,जो किसी भी बेहतरीन व्यंग्य रचना की सफलता के लिए अनिवार्य है । जिसे पढ़कर पाठकों को हँसी तो आए लेकिन व्यवस्था जनित विसंगतियों पर गुस्सा भी आए । तरह -तरह की विवशताओं में कैद ,परेशान ,हलाकान इंसानों का चित्रण देखकर मन करुणा से भर उठे , वही असली व्यंग्य है।

इस मायने में लतीफ़ घोंघी राष्ट्रीय स्तर के एक कामयाब और शानदार व्यंग्यकार थे। उन्हें समय -समय पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वह पेशे से वकील थे ,लेकिन जीवन के पूर्वार्ध में उन्होंने आजीविका के लिए कई काम सीखे ,कई व्यवसाय किए, दर्जी का काम भी किया। सरकारी प्राथमिक स्कूल में अध्यापक की नौकरी की। बाद के वर्षों में वकालत की पढ़ाई करने के बाद अधिवक्ता के रूप में महासमुन्द कोर्ट में प्रेक्टिस करने लगे। साहित्य के अलावा संगीत में भी उनकी गहरी दिलचस्पी थी। गायन ,वादन के शौकीन थे। व्यंग्य लेखक के रूप में उनकी एक बड़ी ख़ासियत यह थी कि वह अपनी किसी भी रचना की कोई भी कॉपी पहले किसी कागज या रजिस्टर या डायरी में हाथों से लिखकर नहीं रखते थे। उसे एक ही बार में ,एक ही स्ट्रोक में अपने छोटे-से पोर्टेबल टाइपराइटर पर टाइप कर लेते थे और छपने के लिए भेज देते थे। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में उनके व्यंग्य साहित्य पर कई शोधार्थियों को पी-एच.डी. की उपाधि मिल चुकी है। कई लघु शोध प्रबंध भी लिखे गए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी ने भी उनके चयनित व्यंग्य लेखों का संकलन प्रकाशित किया है। वे अपने गृहनगर महासमुंद में 24 मई 2005 को यह भौतिक संसार छोड़ गए।

पांच दिन की कड़ी मेहनत से तैयार कर रहे स्थानीय कलाकार हितेन्द्र देवांगन

शांति शिखर भवन का प्रमुख आकर्षण होगी प्रधानमंत्री मोदी और दादी जानकी की 1600 फीट में बनी रंगोली

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रम्हाकुमारी संस्थान के जिस शांति शिखर भवन का लोकार्पण करेंगे, वहां 1600 फीट में बनाई जा रही रंगोली मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। स्थानीय आर्टिस्ट पांच दिन की मेहनत से रंगोली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी की तस्वीर बना रहे हैं। आध्यात्मिक संस्थान ब्रम्हाकुमारी के इस नए भवन के मेडिटेशन में प्रधानमंत्री कुछ देर शामिल होंगे।

मोदी एक नवंबर को रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर में ब्रम्हाकुमारी संस्थान द्वारा बनाए गए आध्यात्मिक केंद्र शांति शिखर का उद्घाटन करेंगे। शांति शिखर भवन में इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए भवन को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है। नवा रायपुर में रहने और ब्रम्हाकुमारी संस्थान से जुड़े रंगोली कलाकार हितेन्द्र देवांगन अपने कुछ साथियों के साथ वहां 40 बाई 40 की विशाल रंगोली बनाने के काम में सोमवार से जुटे हुए हैं। पांच दिन की मेहनत के बाद तैयार होने जा रही इस रंगोली में प्रधानमंत्री मोदी और संस्थान की पूर्व प्रशासिका दादी जानकी के बीच आत्मीय क्षणों को बखूबी दर्शाया जा रहा है। भवन के भीतर भूतल में बनाई जा रही इस रंगोली का प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम के दौरान अवलोकन भी करेंगे। भवन के उद्घाटन और सभा को संबोधित करने के बाद वहां बनाए गए मेडिटेशन के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भवन के बाहर विशाल सभा स्थल

आयोजित कार्यक्रम के लिए शांति शिखर भवन में विशाल सभा स्थल तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका जयंती दीदी सहित देशभर से आने वाले आगंतुक सहित स्थानीय लोग शामिल होंगे। इसे ध्यान में रखते हुए पांच हजार की क्षमत वाला सभा स्थल तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह शामिल होंगे।

राजस्थानी शैली में भवन, डेढ़ हजार की क्षमता वाला ऑडिटोरियम

एकेडमी फार ए फीसफुल वर्ल्ड- शांतिशिखर का निर्माण राजस्थानी शैली में जोधपुर के बालुई पत्थर (सैंड स्टोन) से किया गया है। दो एकड़ में बने इस भवन में गुलाबी पत्थर से डिजाइन करने के साथ निर्माण में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यहां डेढ़ हजार की क्षमता वाला सर्वसुविधा युक्त वातानुकूलित ऑडिटोरियम, दो सेमिनार हाल, राजयोग अनुभूति के लिए मेडिटेशन कक्ष, लाइब्रेरी, साहित्य केंन्द्र आदि बनाये गये हैं।

छत्तीसगढ़ का मुख्यालय होगा

शांति शिखर भवन में मेडिटेशन की नियमित क्लासेस के साथ समय-समय पर विभिन्न वृहद आयोजन भी किए जाएंगे। यह भवन छत्तीसगढ़ का मुख्यालय के रूप मे कार्य करेगा। यहां पर लोगों को मन की शांति के लिये राजयोग शिविर तथा विभिन्न वर्गों के लिये सम्मेलन, नैतिक एवं आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा और महाराष्ट्र के लोगों को भी मिलेगा।

मोदी की सभा में रायपुर शहर जिला भाजपा जुटाएगी 25 हजार की भीड़

राज्योत्सव के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नवंबर को करेंगे। उद्घाटन के बाद होने वाली सभा के लिए रायपुर शहर जिला भाजपा को 25 हजार की भीड़ जुटाने का लक्ष्य मिला है। मंगलवार को बैठक करके रायपुर के 20 मंडलों को एक-एक हजार की भीड़ लाने का लक्ष्य दिया गया है। इसी के साथ मोर्चा और प्रकोष्ठ को मिलाकर पांच हजार की भीड़ अलग से जुटेगी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिले की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा एवं जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में की गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री पवन साय ने कहा, छत्तीसगढ़ की 25वीं सालगिरह पर रायपुर आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। उन्होंने रजत जयंती महोत्सव को सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा उत्साह के साथ इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। सभी कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के आगमन एवं उनके स्वागत के लिए अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर ने कहा, हमें प्रधानमंत्री के आगमन एवं उनके स्वागत के लिए तैयार रहना है। जगह-जगह उनका विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत किया जाएगा। हमें उनके प्रवास की अभूतपूर्व सफलता के लिए एक रूपरेखा बनाकर कार्य करना है। बैठक में पुरंदर मिश्रा, भाजपा वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा, प्रदेश मंत्री जयंती पटेल, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, श्रीचंद सुंदरानी, सच्चिदानंद उपासने, रूप नारायण सिंहा, नंद कुमार साहू, लोकेश कावड़िया, सुभाष तिवारी, अमरजीत छाबड़ा, शशांक शर्मा, मोना सेन, मोहन एंटी, अंजय शुक्ला, नलिनीश ठोकने, रामकृष्ण धीवर, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, जिला महामंत्री अमित मैशेरी, गुंजन प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष अकबर अली, तुषार चोपड़ा, रोहित द्विवेदी रायपुर के सभी पार्षद, मंडल अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

वेतन वृद्धि की मांग, जिला सहकारी बैंक कर्मी 12 से करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद भी पिछले पांच साल से वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दिए जाने से जिला सहकारी बैंक के कर्मी नाराज हैं। शासन से बार-बार पत्राचार के बाद भी मामले में कोई सार्थक पहले न किए जाने से अब आंदोलन की रणनीति तैयार की है। आंदोलन के संबंध में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, सभी जिला कलेक्टरों को इसकी सूचना भेज दी है। बताया गया है कि 29 अक्टूबर से 2 नवंबर तक बैंक कर्मी काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। 3 से 5 नवंबर तक बैंक मुख्यालय और शाखा कार्यालयों में सुबह 10.30 से लेकर 11.30 बजे तक कलम बंदी और नारेबाजी की जाएगी। 6 नवंबर को सामूहिक अवकाश लेकर शाखा कार्यालयों के सामने रना दिया जाएगा। 7 नवंबर को धमतरी और गरियाबंद जिलों में नारेबाजी की जाएगी। 10 तारीख को नोडल कार्यालय महासुंद में नारेबाजी की जाएगी। सहकारी बैक के कर्मचारियों ने यह भी निर्णय लिया है कि अब उनकी मांगे पूरी नहीं की जाएंगी, तो 12 नवंबर से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाएंगे।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कर्मचारियों के आंदोलन से बैंक के 73 शाखाओं पर असर पड़ेगा। फलस्वरूप छग शासन की धान खरीदी व्यवस्था एवं भुगतान, सभी बैंकिंग कार्य सहित बैंक द्वारा संपादित किये जाने वाले समस्त शासकीय कार्य बंद रहेंगे। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी बैंक प्रबंधन, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, छग एवं शासन प्रशासन की होगी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मोहनलाल साहू, उपाध्यक्ष उत्तरा दास जांगड़े, सचिव अविनाश शर्मा, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार यदू ने जारी बयान में कहा है कि 2021 से देय वेतन वृद्धि स्वीकृत न किए जाने से समस्त कर्मचारी आंदोलन में जाने के लिए बाध्य हैं।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
ई-मेल: crpd@sbi.co.in
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की नियुक्ति

संविदा आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2025-26/15

पद का नाम	रिक्ति
प्रमुख (उत्पाद, निवेश और अनुसंधान)	01
जोनल प्रमुख	04
क्षेत्रीय प्रमुख	07
आरएम – टीम प्रमुख	19
निवेश विशेषज्ञ	22
निवेश अधिकारी	46
परियोजना विकास प्रबंधक (व्यवसाय)	02
केंद्रीय अनुसंधान दल (सहायता)	02

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US" → "Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 27.10.2025 से 17.11.2025 तक.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 27.10.2025
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

सीबीएसई स्कूलों में डिजिटल मोड से होगा पेमेंट दूसरे बोर्ड में भी यही सिस्टम होगा लागू

पारदर्शिता बढ़ाने नया प्रयोग, नवोदय विद्यालयों में भी लागू होगी यह व्यवस्था

- अभिभावाकों और विद्यालय प्रबंधन के लिए आसान रहेगा फीस का हिसाब-किताब रखना

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सीबीएसई स्कूलों में अब फीस का भुगतान ऑनलाइन मोड से किए जाने की तैयारी है। 'ईज ऑफ स्कूलिंग' विजन को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के प्रयोग के बारे में नए दिशा- निर्देश जारी किए हैं। स्कूल फीस जमा करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनसीईआरटी, सीबीएसई , नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय विद्यालय समिति, टीचर एजूकेशन काउंसिल समेत सभी राज्य बोर्ड के चेयरमैन को पत्र लिखा गया है। ऐसे में राज्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में भी भुगतान की यह प्रणाली लागू हो सकती है। आदेश के जरिए स्कूल में दाखिले की प्रक्रिया से लेकर परीक्षा फीस जमा करने की प्रक्रिया को कैश बेस्ड से डिजिटल पेमेंट की ओर ले जाने को कहा गया है। इसके लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, मोबाइल वॉलेट और नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफार्म का प्रयोग किया जा सकता है। पेरेंट्स को डिजिटल पेमेंट के सभी मौजूदा विकल्प दिए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में भी नए शैक्षणिक सत्र से यह सुविधा मिल सकती है।

शिकायतों की जांच में सुविधा

मंत्रालय का मानना है कि नकद भुगतान के बजाय डिजिटल भुगतान के कई फायदे हैं। अभिभावकों और छात्रों के लिए डिजिटल पेमेंट घर बैठे भुगतान करने की सुविधा सुनिश्चित करती है, वहीं पेरेंट्स को फीस के लिए बार- बार स्कूल विजिट करने की जरूरत नहीं रहेगी। इसके साथ ही स्कूलों के फाइनेंशियल मैकेनिज्म में पारदर्शिता होगी। स्कूलों के लिए फीस का हिसाब-किताब रखना भी आसान होगा। साथ ही फीस कलेक्शन की रीयल टाइम ट्रैकिंग भी हो सकेगी। शिक्षाविदों का कहना है कि फीस को लेकर अभिभावकों की जो शिकायतें होती हैं, उनके बारे में भी जांच आसान होगी। लेट फीस के लिए ज्यादा पैसा वसूलने को लेकर भी शिकायतें रहती हैं। वहीं डिजिटल पेमेंट सिस्टम में राज्यों के शिक्षा विभाग को भी जांच करने में आसानी होगी।

अपार आईडी प्रमुख पहचान चिह्न

शिक्षा मंत्रालय के दिशा- निर्देशों के मुताबिक ऑनलाइन फीस जमा करने की प्रक्रिया में छात्र की यूनिक आईडी प्रमुख पहचान चिह्न होगी। ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री यानी अपार एडमिशन आईडी का प्रयोग कर फीस जमा करवाई जा सकेगी। केंद्र सरकार के सरकारी स्कूलों में शिक्षा विभाग ने कई सुधार लागू किए हैं, जिसमें पॉइंट ऑफ सेल मशीनों से फीस पेमेंट की सुविधा भी शामिल है। शिक्षा मंत्रालय ने सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों को कहा है कि जहां तक संभव हो, फीस पेमेंट का डिजिटल मोड अपनाया जाए।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त की घटना के विरोध में रायपुर महाबंद 31 को

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा वीआईपी चौक पर स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने की घटना के विरोध में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी 31 अक्टूबर को रायपुर महाबंद करेगी। पार्टी के भूषणलाल साहू ने मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में एक दिवसीय रायपुर महाबंद की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य अस्मिता से हो रहे खिलवाड़ को बर्दास्त नहीं किया जाएगा। एक सोची समझी साजिश के तहत शहर के व्यस्तम मुख्य मार्ग में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की विशालकाय मूर्ति को नुकसान पहुंचाना निंदनीय है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी इस घटना में वास्तविक अपराधियों की गिरफ्तारी और मूर्ति तोड़ने की साजिश का पर्दाफाश चाहती है। भूषणलाल साहू ने कहा कि चाहे गुरु बाबा घासीदास का चित्र शौचालय में लगाने की घटना हो, बसना में शहीद वीरनारायण सिंह की प्रतिमा तोड़कर फेंकने की घटना हो , फूल चौक में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा में गंदगी पोतने की घटना हो इसमें जानबूझकर केवल छत्तीसगढ़िया पुरखों और माताओं की मूर्तियों को ही साजिश के तहत निशाना बनाया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र.: सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.& जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./25-26-25, दिनांक: 25.10.2025
काम का नाम: विद्युत भाग का कार्य: अमलाई, बुरहार और मुदारिया रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म का अपग्रेडेशन/सुधार । निविदा मूल्य (रू.): 1,15,24,000.2/-, अमानत राशि (रू.): 2,07,600/-, निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 24/11/2025, 15:00 Hrs. बजे ।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/ देख सकते हैं।
व.मं.वि.इंजी. (आर.एस. एवं सामान्य)
सीपीआर/10/404 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
''मिनी रत्न कम्पनी''
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

No. SECL/GM/439 दिनांक: 29.09.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित महामाया खुली खदान परियोजना हेतु ग्राम बरौधी की भूमि का अर्जन किया गया है, जिसमें 32 भूमिस्वामी की भूमि का मूल्यांकन छत्तीसगढ़ राज्य मूल्यांकन बोर्ड द्वारा निर्धारित दर पर किया गया है। राज्य शासन द्वारा मूल्यांकन किये जाने के पश्चात् एस.ई.सी.एल. मुख्यालय द्वारा अनुमोदन किया गया है। उक्त भूमिस्वामियों का पुनः सलाह दी जाती है, कि अपनी भूमि का स्वीकृत मुआवजा एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित महामाया खुली कोयला खदान परियोजना के कार्यालय में आकर वांछित दस्तावेज के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत कर 15 दिनों में अपनी सम्पूर्ण मुआवजा राशि प्राप्त कर सकते है। संबंधित भूस्वामियों द्वारा उपरोक्त समयावधि में मुआवजा हेतु आवेदन नहीं करने की स्थिति में उपरोक्त स्वीकृत मुआवजा राशि पार्ट टाइम ट्रिब्यूनल, बिलासपुर में जमा कराने की कार्यवाही कि जायेगी। जिसके लिए भूस्वामी स्वयं जिम्मेदार होंगे। यह अवगत कराना आवश्यक है कि उक्त मुआवजा माह फरवरी 2020 में एस.ई.सी.एल. मुख्यालय द्वारा अनुमोदित किया गया है। ग्राम बरौधी की अधिग्रहित भूमि के भूमिस्वामियों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गयी है –

(अ) - निजी भूमि

S.N.	Name Fathers/Husband Name/Caste	Plot No.	Total Area of plot (in Hact)	Total area acquired (in Hact)	Class of land
1	2	3	4	5	6
1	आगर साय आ. घूरेलाल जाति, रजवार	142/2P	0.05	0.04	एक फसली
2	अनुबाई पुत्री मानकी जाति रजवार	117	0.35	0.35	एक फसली
3	किरण सिंह पति प्रवीण कुमार सिंह जाति सामान्य	60/9P	0.95	0.04	एक फसली
		60/6	1.64	1.64	एक फसली
	योग -	02	2.59	1.68	
4	किशुन आ. अघनू, पतियारो बेवा अघनू जाति बरगाह	119P	0.42	0.18	एक फसली
5	गेन्दी पुत्री महूंग जाति बरगाह	118/1	0.17	0.17	एक फसली
6	जयलाल आ. गोविन्द जाति रजवार	50/2P	0.30	0.08	एक फसली
7	जुगेन पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/9P	0.24	0.04	एक फसली
8	तारकेश्वर आ. सुखदयाल जाति रजवार	50/3P	0.41	0.01	एक फसली
9	दीपेन्द्र सिंह आ. सुरेश प्रताप सिंह जाति सामान्य	60/7	0.20	0.20	एक फसली
10	दुलेर पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/8	0.17	0.17	एक फसली
11	धरमपाल आ. मोहन जाति बरगाह	118/4	0.10	0.10	एक फसली
12	नितू सिंह पति लालेन्द्र पताप सिंह	60/2P	0.46	0.01	एक फसली
13	पुरन आ. शिवचरण जाति रजवार	115/1	0.32	0.32	एक फसली
14	बाबी पति घुरेलाल जाति रजवार	113/2 P	0.18	0.02	एक फसली
		140/3P	0.18	0.03	एक फसली
	योग -	02	0.36	0.05	
15	मैयालाल आ. जगरनाथ जाति बरगाह	118/3	0.10	0.10	एक फसली
16	मुलेर पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/7	0.17	0.17	एक फसली
17	रामबरुस आ. मोतीलाल जाति बरगाह	118/6P	0.30	0.15	एक फसली
18	रामकेली पति परसराम	118/2	0.17	0.17	एक फसली
19	रामभरोस आ. बंधन जाति रजवार	120P	0.21	0.04	एक फसली
20	रामपाल आ. परषोत्तम चूमार	55	0.30	0.30	एक फसली
21	लालेन्द्र प्रताप सिंह आ. चन्द्रमौलेश्वर सिंह सुशीला पति, चन्द्रमौलेश्वर सिंह, जाति समान्य	56/2	0.68	0.68	एक फसली
22	श्यामदेई पुत्री लक्ष्मण जाति रजवार	123/2P	0.19	0.01	एक फसली
23	सुरेश प्रताप सिंह पिता ब्रिजलाल सिंह जाति सामान्य	54	0.06	0.06	एक फसली
		57	0.40	0.40	एक फसली
		60/1	0.10	0.10	एक फसली
		60/3	0.21	0.21	एक फसली
	योग -	04	0.77	0.77	
24	शिवचरण आ. रनसाय जाति रजवार	121/1P	0.12	0.11	एक फसली
25	शिवैन्द्र सिंह आ. सुरेश प्रताप सिंह जाति सामान्य	60/8P	0.20	0.14	एक फसली
26	शिवप्रसाद आ. शिवचरन जाति रजवार	115/2	0.13	0.13	एक फसली
27	सोमार साय, रामधन, रामभरोस, धर्मसाय आ. मोहना	48/1	0.11	0.11	एक फसली
		50/5P	0.61	0.04	एक फसली
		139P	0.47	0.02	एक फसली
		116	0.38	0.38	एक फसली
	योग -	04	1.57	0.55	
28	सुखदयाल आ. रामा रजवार	113/1 P	0.20	0.02	एक फसली
		144/1	0.06	0.06	एक फसली
	योग -	02	0.26	0.08	
29	सुरेश प्रंताप सिंह आ. बृजराज सिंह जाति सामान्य	60/10P	0.60	0.08	एक फसली
30	सुशीला सिंह पुत्री विजय बहादुर सिंह जाति सामान्य	56/1P	0.81	0.37	एक फसली
31	श्रीप्रसाद आ. मोतीलाल जाति बरगाह	118/5	0.20	0.20	एक फसली
32	हीराराम आ. जीतन	68P	0.25	0.08	एक फसली
	कुल योग -	16	13.17	7.53	

खान प्रबन्धक, महामाया परियोजना

IndianOil Bharat Petroleum HP

घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण अभियान

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं सहित घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को निम्नलिखित में से किसी भी तरीके से निःशुल्क बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ईकेवाईसी) कराना आवश्यक है:

1. अपनी तेल विपणन कंपनी (IOCL/BPCL/HPCL, जैसा भी लागू हो) के मोबाइल ऐप के माध्यम से स्व-बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण। (कृपया ओएमसी के मोबाइल ऐप और यूआईडीएआई का आधार फेस आरडी ऐप डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें)। वैकल्पिक रूप से, https://www.pmuy.gov.in/e-kyc.html पर जाएँ।
2. अपने एलपीजी वितरण कर्मी के माध्यम से या अपने एलपीजी वितरक से संपर्क करके बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ईकेवाईसी) पूरा करें।

पीएमयूवाई लाभार्थियों, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पहले बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है, को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक बार इसे पूरा करना होगा यदि वे 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के 8वें और 9वें रिफिल पर (या 5 किलोग्राम सिलेंडर के मामले में आनुपातिक 21वें रिफिल से) लक्षित डीबीटी सब्सिडी (₹ 300 प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर) का लाभ उठाना चाहते हैं।

- लक्षित डीबीटी सब्सिडी एक वित्तीय वर्ष में केवल 9 रिफिल तक ही लागू होती है (14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए ₹ 300 या 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए आनुपातिक)
- 8वीं और 9वीं रिफिल के लिए लक्षित डीबीटी सब्सिडी स्थगित रखी जाएगी तथा केवल तभी जारी की जाएगी जब उस वित्तीय वर्ष के 31 मार्च से पहले बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पूरा हो जाएगा।
- यदि 31 मार्च तक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पूरा नहीं किया जाता है, तो वर्ष के दौरान ली गई रिफिल के लिए रोकी गई सब्सिडी स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी।
- बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के अभाव में एलपीजी रिफिल की आपूर्ति और वितरण किसी भी तरह से बाधित नहीं होगा; लाभार्थी निर्धारित वार्षिक सीमा तक रिफिल बुक करना जारी रख सकते हैं।
- 14.2 किलोग्राम के 9 रिफिल तक (और आनुपातिक रूप से 5 किलोग्राम के सिलेंडर के लिए) ₹ 300 प्रति सिलेंडर की लक्षित सब्सिडी लागू है।
- जिन पीएमयूवाई लाभार्थियों ने वित्तीय वर्ष में एक बार बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है, उन्हें उस वर्ष इसे दोबारा करने की आवश्यकता नहीं है।

आपका एलपीजी वितरक/डिलीवरी कर्मचारी भी आपसे संपर्क करेगा। अधिक जानकारी के लिए, कृपया तेल उद्योग हेल्पलाइन (टोल-फ्री): 1800 2333 555 पर संपर्क करें।
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जनहित में जारी

छत्तीसगढ़ में अब होगी पानी पाइप लाइन, ड्रेनेज, सीवरेज बस टर्मिनल की जीआईएस मैपिंग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक पीएम गति शक्ति योजना का क्रियान्वयन अब छत्तीसगढ़ में किया जाएगा। इस काम के लिए राज्यभर से वाटर सप्लाई पाइप लाइन, ड्रेनेज, सीवरेज, बस टर्मिनल, बस डिपो का डाटा अनिवार्य रूप से जुटाया जाएगा। इसके लिए जीआईएस मैपिंग की जाएगी। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को निर्देश जारी किया है।

ये जानकारी देना है अनिवार्य

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी निकायों को जारी निर्देश में कहा है कि भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना\\\" प्रधानमंत्री गति-शक्ति योजना " अंतर्गत प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के विभिन्न जानकारियाँ दी जानी है। इसमें अनिवार्य रूप से वाटर सप्लाई पाइपलाइन, ड्रेनेज, सीवरेज बस टर्मिनल, बस डिपो का डाटा, एडीश्नल लेयर रोड,सब्जी बाजार, स्टेडियम, कमर्शियल काम्प्लेक्स, उद्यान, ओवरहेड वाटर टैंक के समस्त डाटा का जीआईएस फॉर्मेट में मैपिंग कराया जाना है। यह जानकारी गूगल शीट के माध्यम से 15 दिनों में देने कहा गया है।

क्या है पीएम गतिशक्ति योजना

पीएम गति शक्ति एक राष्ट्रीय मास्टर प्लान है जिसका उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए 16 से अधिक मंत्रालयों और विभागों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना है। यह योजना बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है, जिसमें रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग और हवाई अड्डे शामिल हैं।

बीएसएनएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2 तक

रायपुर। बीएसएनएल छत्तीसगढ़ परिमंडल में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सोमवार को परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक वीके छबलानी ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

कार्यालय, नगर पंचायत पुसौर जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /941/लो.क.शा./न.पं/2025-26 ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना पुसौर, दिनांक: 28/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1. Date of issue of Tender :- 29/10/2025 Time 10.30 AM
2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid :- 21/11/2025 Time 5.30 PM
3. Last Date for Submission of physical bid :- 28/11/2025 Time 5.00 PM
4. Bid Open Date :- 28/11/2025 Time 5.30 PM

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (लाख में)	समय सीमा (वर्षा ऋतु को छोड़कर)	मूल दस्तावेज का फिजिकल लिफाफा नगर पंचायत पुसौर कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि
1	178184	वार्ड 03 पुष्पवाटिका उद्यान निर्माण कार्य। (SOR+Non SOR)	292.40	1.50	0.03	09 माह	28/11/2025 समय 05.00 PM
2	178195	वार्ड 15 में चंदन तालाब का सौन्दर्याकरण कार्य। (SOR+Non SOR)	210.40	1.20	0.03	09 माह	

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निविदा नियम शर्तों का अवलोकन ध्यान पूर्वक भली भांति किया जावे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पुसौर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

20 दिन में कानून, 20 महीने में सरकारी नौकरी पक्की, भाजपा का घोषणा पत्र कल

'बिहार का तेजस्वी प्रण' में महागठबंधन का वादा, हर परिवार को एक सरकारी नौकरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने अपना संयुक्त घोषणापत्र 'बिहार का तेजस्वी प्रण' नाम से जारी किया गया है। घोषणापत्र में सभी परिवार को सरकारी नौकरी का वादा किया गया है। इसके साथ ही जीविका दीदियों को 30,000 रुपये प्रतिमाह वेतन देने और उनको सरकारी कर्मचारी के रूप में स्थायी दर्जा व पेंशन देने के वादे के साथ अन्य घोषणाएं भी की गई हैं। महागठबंधन के घोषणापत्र में कुल 24 वादे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि सभी वादे पूरे होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर राज्य के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का अधिनियम लाया जाएगा।

बिहार की दुर्दशा के लिए भाजपा-जेडीयू गुनहगार - कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए एक बार फिर से बीजेपी-जेडीयू सरकार पर हमला बोला है। राहुल ने कहा है कि कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से मेरी बातचीत हुई थी। बातचीत का मुद्दा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार था। राज्य में इन सबकी दुर्दशा के लिए केवल बीजेपी-जेडीयू सरकार गुनहगार है। उन्होंने कहा है कि बिहार के युवा बखूबी जानते हैं कि पिछले 20 सालों में किस तरह से इस मोदी-नीतीश सरकार ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंटा है। प्रदेश को लावारिस छोड़ दिया है और हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है।

महागठबंधन के मेनिफेस्टो में क्या-क्या

पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। माई-बहन मान योजना के तहत महिलाओं को 1 दिसंबर से प्रतिमाह 2500 की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत विधवा और वृद्ध जनों को 1500 रुपया मासिक पेंशन दी जाएगी। प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए फॉर्म और परीक्षा शुल्क समाप्त किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों तक बसें फ्री चलेंगी। सभी अनुमंडल में महिला कॉलेज की स्थापना की जाएगी। शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों सहित सभी सेवा के कर्मियों के गृह जिला के 70 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी दी जाएगी। हर व्यक्ति को जन स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 25 लाख का मुक्त स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा।

आज शाह व 30 को पीएम मोदी की रैली

बिहार चुनाव प्रचार के लिए आज 29 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी जनसभाएं करेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा सीवान, शाहपुर और बक्सर में होगी, जबकि अमित शाह दरभंगा और समस्तीपुर में जनसभा करेंगे। उधर नीतीश कुमार भी एनडीए की तरफ से लगातार चुनाव प्रचार में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर बैठक आज - बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर आज पटना में बीजेपी के बिहार चुनाव के मैनिफेस्टो कमिटी की बैठक होगी। इस बैठक में बीजेपी के संकल्प पत्र के मुद्दों, वादों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक 30 अक्टूबर को बीजेपी का संकल्प पत्र जारी हो सकता है। गृह मंत्री अमित शाह इसे जारी कर सकते हैं। इसके साथ ही एनडीए का साझा एजेंडा फॉर गवर्नेंस भी तैयार किया जा रहा है।

दिल्ली में 1 नवंबर से इन वाहनों पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण से जूझ रही दिल्ली में 1 नवंबर से उन वाणिज्यिक माल वाहनों पर रोक लगा दी जाएगी, जो शहर के बाहर पंजीकृत हैं और उनका इंजन बीएस-वीआई मानक अनुरूप नहीं है। यह कदम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने प्रदूषण रोकने के लिए उठाया है। आयोग के मुताबिक, केवल बीएस-वीआई अनुपालन वाले वाणिज्यिक वाहन, सीएनजी, एलएनजी या विद्युत ऊर्जा से चलने वाले वाहन ही दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगे। फिलहाल, निजी वाहनों को इससे छूट मिलेगी। दिल्ली में 28 अक्टूबर को धुंध भरी सुबह रही और आसमान में बादल छाए रहे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, राजधानी की वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 रही, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आती है। दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए मंगलवार और बुधवार को कृत्रिम बारिश कराई जा रही है।

आतंकी हमले के पहले ही पुणे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर गिरफ्तार

गिरफ्तार जुबैर का अलकायदा से संबंध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पुणे से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जुबैर को गिरफ्तार किया गया है। अलकायदा से संबंधों के आरोप में महाराष्ट्र एटीएस ने ये कार्रवाई की। आरोपी इंजीनियर जुबैर को लेकर दावा किया गया कि वो आतंकी हमलों को अंजाम देने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के काम में भी लगा हुआ था। उसका नाम जुबैर हैंगार्डेकर है। पुणे एटीएस बीते एक महीने से उस पर नजर रख रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल यूएपीए कोर्ट ने उसे 4 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

इस बीच जुबैर के दिल्ली कनेक्शन का खुलासा भी सामने आ रहा। इसी सिलसिले में, पुणे पुलिस ने 27 अक्टूबर को पुणे रेलवे स्टेशन से 'चेन्नई एक्सप्रेस' में यात्रा कर रहे चार संदिग्धों को भी हिरासत में लिया था। 9 अक्टूबर को पुणे एटीएस ने कई जगहों पर छापेमारी की थी। उस दौरान उन्हें इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, दस्तावेज और ऐसी सामग्री मिली थी जिससे पता चला कि इस इलाके में एक बड़ा आतंकी नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। इस्लामिक स्टेट की ऑनलाइन मौजूदगी उसकी जमीनी ताकत से कहीं ज्यादा है।

'पूरा खरगे परिवार' असम विरोधी : हिमंत

नगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित 'पूरा खरगे परिवार' असम विरोधी है। उन्होंने यह आरोप ऐसे समय में लगाया है जब एक दिन पहले ही कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे से उनकी असम में सेमीकंडक्टर इकाई जैसे बड़े प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग स्थापित करने के मुद्दे पर बहस हुई थी। प्रियंक कांग्रेस प्रमुख के पुत्र हैं और कर्नाटक कांग्रेस शासित राज्य है। शर्मा ने दावा किया, ''मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे असम के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। उनके पिता ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने पर बेहद शर्मनाक टिप्पणी की थी।

सिद्धारमैया सरकार को झटका, अब कार्यक्रम आयोजित कर सकेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

कर्नाटक हाईकोर्ट ने लगाई सरकारी आदेश पर रोक, अगली सुनवाई 17 नवंबर को

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने निजी संगठनों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिया है। साथ ही राज्य सरकार, गृह विभाग और हुबली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को करेगा। यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ बताया जा रहा था। सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पुनश्चैतन्य सेवा संस्था द्वारा दायर की गई थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि यह कदम निजी संगठनों के वैध गतिविधियों को संचालित करने के अधिकारों का उल्लंघन करता है। कोर्ट ने अब आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है और सरकार को नोटिस जारी किए हैं।

कोर्ट ने क्या कहा

पुनश्चैतन्य सेवा संस्था ने सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दायर कर कोर्ट में तर्क दिया कि सरकार का कदम निजी संगठनों के वैध गतिविधियों के संचालन के अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) और 19(1)(बी) के तहत गारंटीकृत अधिकारों को कम नहीं कर सकती है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा की रक्षा करते हैं। अंतरिम रोक से संगठन को आगे सुनवाई तक अस्थायी राहत मिलती है।

क्या है मामला?

कर्नाटक सरकार ने इस महीने आदेश जारी कर सार्वजनिक और सरकारी स्वामित्व वाली संपत्तियों के उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसमें निजी-सामाजिक संगठन को संबंधित विभागाध्यक्षों की लिखित अनुमति के बिना सरकारी स्कूलों, कॉलेज परिसर, संस्थागत स्थानों पर कार्यक्रम, बैठक या सांस्कृतिक कार्यक्रम करने की मनाही थी।

राशिफल

मेष - धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष - वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन - शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क - आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह - सम्पति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या - किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक - शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु - आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर - व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ - मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन - परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित "गरियाबंद जिले के विकासखण्ड छुरा पीपरछेड़ी जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का शेष मिट्टी का कार्य आर. डी. 870 मी. से 1140 मी. के मध्य नाला क्लोजर का कार्य कटऑफ रॉक टो फिल्टर एवं पिचिंग का निर्माण कार्य, स्लूस का मरम्मत कार्य, वेस्ट वियर का निर्माण कार्य एवं स्पिल चैनल में शूटफॉल का निर्माण कार्य" की ऑनलाईन निविदा सिस्टम क्रमांक 175010/निविदा सूचना क्रमांक 07/वलेलि/2025-26, गरियाबंद, दिनांक 10.09.2025 (प्रथम आमंत्रण) को अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त किया जाता है।

विज्ञापन क्र. 252604292 दिनांक 17.10.2025

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, गरियाबंद (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी. 252604362/5

कार्यालय अधिष्ठाता स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

Bendrachuwa, Raigarh, Chhattisgarh, Ph-07762-220741
E-mail: gmcraigarh.2013@gmail.com

क्रमांक / चिकि.महा. / क्रय / 2025-26/10094 रायगढ़ दिनांक 24/10/25

ई-निविदा निरस्तीकरण सूचना

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय / चिकित्सालय, रायगढ़ (छ.ग.) के अधीनस्थ विभिन्न विभागों के लिए Hand Instruments क्रय किये जाने के संबंध में दर अनुबंध (Rate Contract) करने हेतु अधिकृत विक्रेता फर्म/निर्माता कम्पनियों से कार्यालयीन पत्र क्रमांक / चिकि.महा./2025-26/क्रय/6546 रायगढ़ दिनांक 18.07.2025 एवं 6640 दिनांक 22.07.2025 (शुद्धिपत्र), 7849 रायगढ़ दिनांक 25.08.2025, 8671 रायगढ़ दिनांक 16.09.2025 (E-Tender No. 173291) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित किया गया था, जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति,
शास. चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

जी 252604361/4

Azadi Ka Amrit Mahotsav

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, छत्तीसगढ़ अरण्य भवन, सेक्टर - 19, नवा रायपुर, अटल नगर (प्रशासन/अराजपत्रित)

फोन: 0771-2512817 फैक्स : 0771-2512817
ई मेल: apccfng@gmail.com

छत्तीसगढ़ राज्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत विभिन्न वनमण्डलों में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिनांक 01.11.2025 को आयोजित दक्षता परीक्षण की तिथि परिवर्तन की सूचना बाबत

छत्तीसगढ़ राज्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत विभिन्न वनमण्डलों में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु शारीरिक मापजोख एवं दक्षता परीक्षण की कार्यवाही दिनांक 28.10.2025 से प्रारंभ की गई है। राज्य में 01 नवम्बर 2025 को 'राज्य स्थापना दिवस' के उपलक्ष्य में स्थानीय/ सामान्य अवकाश घोषित है। अतः नोडल वनमण्डल रायगढ, महासमुंद, कांकेर, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर में दिनांक 01.11.2025 को आयोजित दक्षता परीक्षण की तिथि में परिवर्तन किया गया है। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिये विभागीय वेबसाईट www.forest.cg.gov.in अथवा चयनित नोडल वनमण्डल कार्यालय से संपर्क करें।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशा./अराज.)
अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

जी 252604381/2

कार्यालय अधिष्ठाता, स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर (छ.ग.)

क्रमांक/5737/स्था./शाचिम/2025 जगदलपुर, दिनांक 24/10/2025

विज्ञापन
(वॉक-इन-इन्टरव्यू)

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि, स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.) हेतु स्वीकृत निम्नलिखित शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने हेतु शासन द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए संविदा भर्ती हेतु कार्यालय अधिष्ठाता, स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर में प्रत्येक माह में अंतिम सप्ताह के गुरूवार को प्रातः 11:00 बजे "वाक इन इन्टरव्यू" आयोजित किया जाता है।

इस संस्था के विभिन्न विभागों में आरक्षित / अनारक्षित वर्ग के चिकित्सा शिक्षकों, चिकित्सकों, सीनियर रेसीडेंट, जूनियर रेसीडेंट, प्रदर्शक / ट्यूटर एवं अन्य चिकित्सक प्रथम, द्वितीय श्रेणी के रिक्त पदों पर आरक्षण रोस्टर अनुसार संविदा नियुक्ति हेतु मेडिकल इंडिया के मापदण्ड की अर्हता अधिकतम आयु 70 वर्ष तक नियुक्ति मान्य होगी) रखते हों। योग्य उम्मीद्वार (MBBS, PG, Certificate, Registration, Pan Card, Experience Certificate, Domicile Certificate, Caste Certificate and Relieving letter from previous institution, applicable etc.) एवं उनकी स्व-प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ इस महाविद्यालय में कार्यालयीन समय में स्वयं के व्यय पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है।

क्र.	प्राध्यापक	एक मुश्त संविदा वेतन	रिक्त पद	अनुसूचित जन जाति	अनुसूचित जाति	पि.वर्ग	अना.
1	प्राध्यापक	2,25,000/-	04	01	01	01	01
2	सह प्राध्यापक	1,85,000/-	13	04	02	02	05
3	सहायक प्राध्यापक	1,25,000/-	22	07	03	03	09
4	सीनियर रेसिडेंट (पी.जी.)	95,000/-	25	08	03	03	11
5	प्रदर्शक (पी.जी.) प्रदर्शक (एमबीबीएस)	95,000/- 53,000/-	02	01	00	00	01

विज्ञापन में दर्शित रिक्त पदों की विभागवार जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल, जगदलपुर की वेबसाईट https://www.gmcjagdalpur.ac.in/ पर उपलब्ध है। रिक्त पदों की संख्या समय-समय पर परिवर्तनीय है।

अधिष्ठाता
शासकीय चिकित्सा महाविधालय
डिमरापाल, जगदलपुर (छ.ग.)

जी. 252604357/2

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना कमांक-21
(प्रथम बार)

क्रमांक/4083/टेण्डर / ग्रायांसेवा/2025 कोरबा, दिनांक 25.10.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत प्रपत्र "ए" में दर्शित सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 08.11.2025 समय 17.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

सिस्टर टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)
178120	(अ) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजगरबहार हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (भू-तल) विकासखण्ड कोरबा	(अ) 43.84	66990.00
	(ब) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजगरबहार हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (प्रथम-तल) विकासखण्ड कोरबा	(ब) 40.49 (योग) 89.32	
178121	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार में प्रयोगशाला (भौतिकी/ रसायन/जीव विज्ञान) कक्ष निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत रजगामार, वि.खं. कोरबा	44.45	33338.00
178122	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं, करतला	46.11	34583.00
178123	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पाली	46.11	34583.00
178124	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोंड़ीउपरोड़ा हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पोंड़ीउपरोड़ा	46.11	34583.00
178125	मड़वारानी मंदिर में आर्चशेड़ निर्माण कार्य ग्राम पंचायत पुरेना, वि.खं. करतला	23.71	17783.00

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 24.10.2025 समय 15.00 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

(ए.के. जोगी)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)

जी. 252604371/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर

Email-sepwdkanker.2010@rediffmail.com/sc.kanker@nic.in, Fax No. 07868-224040

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
निविदा निरस्तीकरण सूचना क्रमांक -01

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में ऑनलाईन निविदा आंमत्रित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

स.क्र.	एन.आई.टी. क्र./ टेण्डर नं.	कार्य का नाम	Advertise-ment No.	Reference ID
01	134/175404	जिला कांकेर के शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग किमी. 136 से 138 एवं 139 से 140.60 लंबाई 3.60 किमी में रोड फर्नीचर का कार्य।	252603519	252609004282
02	158/177471	जिला- कोण्डागांव के (ब्लाक कोण्डागांव) ग्राम माकड़ी में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	252604175	252610005084
03	159/177565	ग्राम चिपरेल से साल्हेभाट मार्ग लंबाई 2.30 किमी (बचत कार्य) पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	252604176	252610005085

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल कांकेर

जी. 252604355/3

State Urban Development Agency, Chhattisgarh

4th Floor, D Block, Indrawati Bhavan (HOD Building), Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002 Phone 0771-2222401 Fax 0771/2222409 Email: osd.suda@yahoo.com

Notice Inviting Tender (2nd Call)

RFP No. 9/SUDA/SBM/SLF/5026 Nava Raipur Atal Nagar, Dated 28/10/2025

The State Urban Development Agency (SUDA), Chhattisgarh hereby invites proposals in conformity with the RFP document from registered and authorized agencies having experience and expertise in the similar field of work as per the criteria mentioned in the RFP document as below:

System Tender No.	Name of the Work	EMD	RFP Document Fee	Last date to download the RFP
178186	"Selection of consulting firms for Preparation of Detailed Project Report (DPR), conducting EIA studies, Public Hearing, obtaining Environment Clearance, Consent to Establish, consent to operate, Procurement & Bid Process Management and Provide Supervision & Monitoring Services for development of District level regional Sanitary Landfill Facilities for ULBs in the State of Chhattisgarh (2nd call)"	INR 5,00,000/-	INR 10,000/-	20.11.2025

The details regarding conditions stipulated in the RFP, EMD, Key dates for submission, detailed RFP, RFP document and all the information related to the RFP can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in or departmental website https://uad.cg.gov.in.

SD/-
Addl. Chief Executive Officer
State Urban Development Agency,
Nava Raipur Atal Nagar

S-45697

शब्द पहेली - 6031

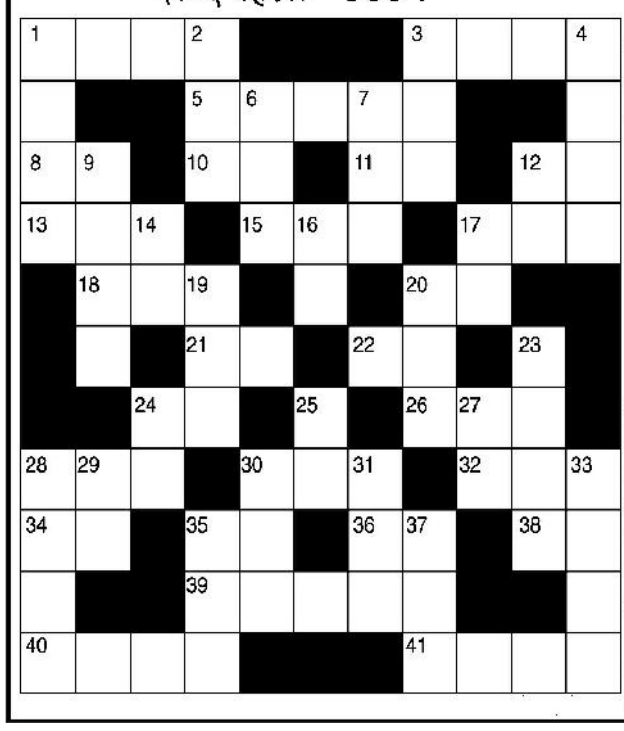

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -6030 का हल

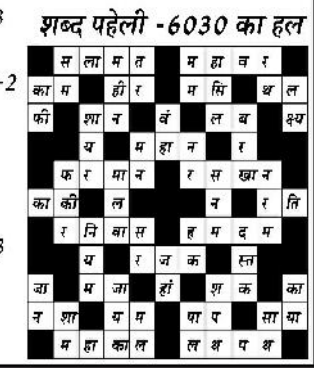

सूडोकु नवताल - 6041

मध्यम

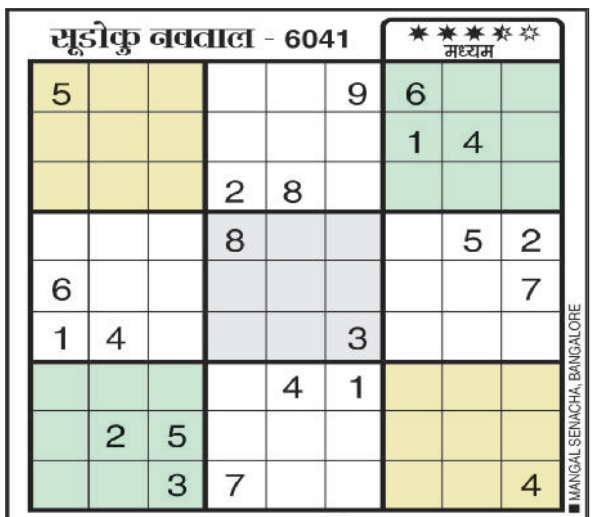

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6040 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

डबल इंजन सरकार में किसानों को मिले ₹1,25,000 करोड़

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

25.47 लाख
किसान लाभान्वित

₹9,765 करोड़
किसानों के खातों में

2.75 लाख
नए पंजीकृत किसान

दीनदयाल भूमिहीन कृषक मजदूर कल्याण योजना

₹10,000
5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल

कृषक उन्नति योजना

राज्य के **25.49 लाख** किसानों को अब तक
29036 करोड़
की राशि अंतरित

कृषक उन्नति योजना का विस्तार

₹11,000/एकड़
दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी-रागी, कपास पर भी इनपुट सब्सिडी

रेगहा, बटाई, लीज़, डुबान के किसानों को भी लाभ

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

25.49 लाख
किसानों से ₹3,100/क्विंटल एवं 21 क्विंटल/एकड़ की दर पर धान खरीदी देश में सर्वाधिक

₹3,716 करोड़
13 लाख
किसानों को दो साल का बोनस

सिंचाई और आधुनिक खेती

₹5,000 करोड़
1 लाख हेक्टेयर सिंचाई विस्तार हेतु निवेश

₹3,500 करोड़
निः शुल्क बिजली 3-5 HP पंपों के लिए प्रावधानित

हाइड्रोपोनिक व एयरोपोनिक खेती को बढ़ावा

शून्य ब्याज ऋण सुविधा

किसान क्रेडिट कार्ड से अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य ब्याज पर

गौपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन के लिए रियायती ब्याज

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संकल्प से सिद्धि की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रथम पृष्ठ का शेष

नया विधानसभा भवन...

बैठक व्यवस्था के लिए पर्याप्त स्थान भी मिल सकेगा। विधानसभा सचिवालय ने विधायकों की संख्या के मुताबिक बैठक व्यवस्था को लेकर अभी से तैयारियां शुरु कर दी है। वर्तमान में पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर पांच-पांच मेजों की कतार सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर लगाई गई है, जबकि अध्यक्षीय दीर्घा और वरिष्ठ अधिकारी दीर्घा में भी चुनिंदा लोगो के बैठने की ही व्यवस्था की गई है। **हर कदम पर पीएमओ की नजर**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर को 11.45 बजे विधानसभा परिसर में दाखिल होंगे। 12.10 बजे तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल होंगे। 12.15 से 1.15 बजे तक विधानसभा भवन का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में लेटलतीफी न हो, इसलिए पीएमओ के अफसर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पीएम के पहुंचने से लेकर रवानगी तक हर मिनट का रिहर्सल किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया कि जितना समय पीएम के लिए यहां आरक्षित है, उसी समय में कार्यक्रम संपन्न होगा।

चक्रवात 'मोंथा' का...

आईएमडी ने कहा, नवीनतम अवलोकनों से संकेत मिलता है कि तूफान के तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया अगले तीन से चार घंटों तक जारी रही। थाई भाषा में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है। आईएमडी के मुताबिक चार घंटों में यह मौसम प्रणाली एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गई, जिसमें अधिकतम 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलीं और यह गति 110 किमी प्रति घंटे तक थी। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर शहर में भारी बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव देखने को मिल रहा है। विशाखापत्तनम में भारी बारिश जारी है, जिसके कारण मलकापुरम पुलिस स्टेशन के पास एक दीवार ढह गई। **चंद्रबाबू ने जारी किया निर्देश**- चक्रवात मोंथा पर एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लोगों को वास्तविक समय में सूचित करने का निर्देश दिया।आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपील करते हुए लोगों से कहा है कि वे किसी भी हालत में घर से बाहर नहीं निकलें। यदि आवश्यक हो तो नियंत्रण कक्ष को सूचित जरूर करें। **आंध्रप्रदेश में उड़ानों पर असर**- मंगलवार को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे से संचालित होने वाली कुल 32 उड़ानें रद्द कर दी गईं। 27 अक्टूबर को एअर इंडिया एक्सप्रेस की दो उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। इसी तरह, विजयवाड़ा हवाई अड्डे ने आज 16 उड़ानें रद्द कर दीं लेकिन पांच उड़ानें संचालित कीं। इसी तरह, तिरुपति हवाई अड्डे पर चार उड़ानें रद्द कर दी गईं।

दो माह के...

आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मासूम की मां चांदनी झाड़ी ने बताया कि दो तीन दिनों से सूर्यांश को ज्यादा सर्दी हो गया थी, जिसे डॉक्टर को दिखाने सुबह 8:30 बजे आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान डॉक्टर उपस्थित नहीं थे। नर्सों ने फोन से सम्पर्क कर जानकारी दी और फोन में ही डॉक्टर से बात करते हुए बच्चे को इंजेक्शन लगाना शुरू कर दिए। उन्होंने बताया कि बच्चा अभी डेढ़ -दो माह का है, जिसे दूसरा टीका भी नहीं लगा है, मगर नर्स हमारी बात सुनने को तैयार ही नहीं थी। उल्टे हमसे ही बहस करते हुआ कहने लगी कि डॉक्टर हम हैं या तुम हो, फोन पर जिस डॉक्टर से बात कर रही थी उनका नाम हर्ष वर्धन बताया गया है। फिर एक बाद एक पांच इंजेक्शन लगाते गई। इंजेक्शन लगने के बाद बच्चा खामोश हो गया। दूध पिलाने जैसे उसे उठाई शरीर पूरी तरह ठंडा पड़ गया। बच्चा कोई हरकत नहीं करने की बात बताने पर डॉक्टर को बुलाया, वह भी काफी लेट से पहुंचे। जांच कर बताया की बच्चे की मौत हो गई है। **नहीं रहता कोई डॉक्टर**- मृत बच्चे के पिता साहिल झाड़ी ने आवापल्ली बीएमओ उमेश सिंग ठाकुर और डॉक्टर, स्टाफ नर्स पर लापरवाही पूर्वक इलाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की व्यवस्था बेलगाम है। जब भी इलाज के लिए आए कभी कोई डॉक्टर मौजूद नहीं रहता। इलाज की जिम्मेदारी स्टाफ नर्सों पर है। आपात स्थिति में भी मरीज को देखने वाला कोई नहीं। फोन के जरिये डॉक्टर नर्स को जैसे जैसे बताते है वह वैसे इलाज करते है, जिसका परिणाम मौत है। जैसा की मेरे बच्चे की जान गई अगर डॉक्टर जांच कर इलाज करता तो शायद हमारा सूर्यांश जीवित रहता। उन्होंने लापरवाह डॉक्टर और नर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। **दवाइयां तक उपलब्ध नहीं**- प्राथमिक एवं समायदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की व्यवस्थाएं दम तोड़ रही हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर और नर्स स्टाफ की मौजूदगी दूर की बात है, यहां दवाइयां तक उपलब्ध नहीं है। जो दवाई है वह एक्सपायर हो चुकी है।

पुत्र के नक्सली...

इतनी बदतर है कि देखकर किसी का भी दिल पसीज जाए। कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत बदरंगी का आश्रित ग्राम पटेलपारा मरदा में रहने वाले उदय सिंह सलाम का बेटा नक्सलियों की कंपनी नंबर 05 का कमांडर राजू सलाम डीकेएसजेडसी ने जगदलपुर में 17 अक्टूबर को हथियार डाले, उसके बाद हरिभूमि की टीम उसके गांव पटेलपारा मरदा पहुँची। घर के सामने दरवाजे पर दो बल्ली का टेका लगा हुआ था, ऐसा लग रहा था कि कब गिर जाएगा और पाँच मिनट तक आवाज दिया, परंतु घर से कोई बाहर नहीं निकला। उसके घर के सामने बोर है, जहां पर लोग पानी भरने आते है। पानी भरने वालों ने बोला कि अंदर जाओ, तभी उसके पिता मिल पाएंगे, बिस्तर से नहीं उठ पाते है। आवाज देते हुए उसके घर के अंदर पहुँचे तो सबसे पहले सामना राजू सलाम की सबसे छोटी बहन से हुआ, परंतु वह सहम गई, उसे विश्वास दिलाया कि हम लोग पुलिस वाले नहीं है, पत्रकार है। उससे पूछा कि आपको पता है कि राजू सलाम ने समर्पण कर दिया है, उन्होंने बताया कि समाचार में देखा है। उसके बाद बड़े भाई के बच्चे आए, जो अंतागढ़ में पढ़ते है। परिवारिक जानकारी देते हुए बच्चों ने बताया कि राजू सलाम भाइयों में सबसे छोटा था, उससे बड़े दो भाई है, जिसमें एक बोर में काम करने दूसरे प्रदेश गया है। वहीं बड़ा भाई खेत गया था। चार बहनों में तीन बहन की शादी आसपास के गांव में हुई, वहीं चौथी बहन की शादी अभी नहीं हुई है। **पिता के कान खराब, कम सुनाई देता है**- हरिभूमि ने बच्चों से पूछा कि पिता कहाँ है, उन्होंने कपड़े के लगे दरवाजे को हटाया जो एक कमरे में खाट पर लेटे थे और आग उनके खाट के पास जल रही थी। उनसे कुछ जानना चाहा तो बच्चों ने बताया कि उनको सुनाई कम देता है, जोर से बात करनी पड़ेगी। उनसे बात करने के लिए बहुत जोर से चिल्लाना पड़ा, तब वो किसी बात का जवाब दे पा रहे थे। **23 साल में कोई मदद नहीं की**- कमांडर के पिता ने हरिभूमि से बात करते हुए कहा कि उसने 23 साल में कोई मदद नहीं किया। उसके पिता ने दुखी मन से कहा कि हम गरीब लोग हैं, मेहनत-मजदूरी करके किसी तरह गुजारा करते हैं, लेकिन उसने बंदूक उठा लिया था। उसकी इस करतूत से गांव में हमारा नाम लेने में भी लोग कतराते है। गांव के बच्चों से राजू सलाम के बारे में जानना चाहा, तो उन्होने मुँह फेर लिया। **सड़क व पानी की सुविधा कमांडर के घर तक**- कोयलीबेड़ा में सुनने को मिला कि कमांडर राजू ने अपने घर तक सीसी रोड बनवाया था और घर के सामने सरकारी बोर खुदवाया। उसके अलावा सोलर पैनल से भी पानी की व्यवस्था थी। उसके गांव जब पहुँचे और उसके घर के बारे में पूछा, लोगों ने संकोच करते हुए बताया। गांव में देखा तो कोयलीबेड़ा में हुई चर्चा सही निकली। वास्तव में डर के कारण बनाया गया या नियमानुसार बना, यह तो स्थानीय जनप्रतिनिधि ही जान सकते है।

एक साल पहले...

पैर छूकर चला गया। मेरे दोनों बेटे अनपढ़ है, यह पढ़ने में होशियार था परंतु यह नक्सली बन गया। उसने परिवार और समाज दोनों की राह छोड़ दी है।

चार दशक से...

सगंठन में शामिल थे। दोनों नक्सलियों पर अलग-अलग नक्सल प्रभावित राज्यों में एक करोड़ रुपए से अधिक का ईनाम घोषित था। वहीं, छग व तेलगांना में स्टेट कमेटी मेंबर बण्डी प्रकाश पर 25-25 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। समर्पित नक्सली पुल्लरी प्रसाद राव उर्फ चन्द्रन्ना नक्सलियों के केन्द्रीय कमेटी का मेंबर था, जबकि बण्डी प्रकाश तेलंगाना स्टेट कमेटी और स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य था। बंडी प्रकाश का नाम माओवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल है। बंदी प्रकाश उर्फ प्रभात, अशोक, क्रांति मंचेरियल जिले के मंदामरी से हैं। प्रकाश के पिता सिंगरेनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 1982-84 के बीच गांव चलो आंदोलन के माध्यम से रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) के लिए संघर्ष किया। इसके बाद वे माओवादी पार्टी से संबद्ध सिंगरेनी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बने और वहां से राज्य समिति के सदस्य बने।

हथियार डालने का...

बाद सिंगरेनी कमेटी ने भी हथियार डालने का ऐलान किया था। इससे पूर्व तेलगांना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर माओवादियों से आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि कुछ माओवादी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं और बाकी भी जन-जीवन में शामिल होकर देश के विकास का हिस्सा बनना चाहते हैं। दोनों के समर्पण नक्सल संगठन के लिए एक बड़ा झटका कहा जा सकता है।

आठवें वेतन आयोग...

ऐन पहले लिया गया है। मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति देसाई को आयोग का प्रमुख बनाने के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), बेंगलूर के प्रोफेसर पुलक घोष को अंशकालिक सदस्य और पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव बनाने का भी फैसला किया। न्यायमूर्ति देसाई इस समय भारतीय प्रेस परिषद की चेयरमैन हैं। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग और उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की मसौदा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्ति के बाद यह उनका चौथा प्रमुख कार्यभार होगा। वैष्णव ने आयोग की सिफारिशें लागू होने की तारीख के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसकी विशिष्ट तिथि अंतरिम रिपोर्ट आने के बाद ही तय की जाएगी, लेकिन ज्यादा संभावना है कि यह एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

बाइक से आए तीन...

करने वाले किरारी निवासी राजू सिंह, तुकेश सिंह, तमेश सिंह, नितेश सिंह, बबला सिंह सहित 6 से 7 लोग कुर्सी में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान शहर की ओर से बाइक में तीन नहाबपोश वहां पहुंचे और उन लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। नकाबपोशों ने 14 से 15 राउंड फायरिंग की, अचानक फायरिंग होने से ठाकुर परिवार के लोग नकाबपोशों पर कुर्सी फेंककर भागने लगे। इसी दौरान चंद्रकांत सिंह के दाहिने हाथ में व राजू सिंह के पैर में गोली लगने से चोट आई है। वहीं अन्य लोग बाल बाल बच गए। फायरिंग करने के बाद नकाबपोश बाइक मोड़कर शहर की ओर भाग निकले। अधाधुंध फायरिंग से मस्तूरी दहल गया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। आनन फानन में दोनों घायलों को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह, एडीशनल एसपी अर्चना झा, एसीसीयू टीम, मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके से 14 नग खाली खोखा बरामद किया है। पुलिस नकाबपोशों की सरगर्मी से तलाश में जुट गई है।

शिक्षकों के 4708...

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय को लिख गए खत के अनुसार, वित्त विभाग से इन पदों पर भर्ती के लिए अनुमति मिल गई है। शिक्षकों के शेष 25 हजार पदों पर अन्य चरणों के जरिए नियुक्ति होगी। प्रथम चरण की नियुक्ति को प्राथमिकता देते हुए पहले इन पदों पर भर्ती की जाएगी।

देश में विमान...

की कमी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि भारत अपने विमानन अनुसंधान और सामग्री परीक्षण प्रयोगशालाओं के जरिये सदस्य देशों को तकनीकी सहायता देने के लिए भी तैयार है। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि विमानन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार नियामकीय और जांच संबंधी भूमिकाओं में पेशेवरों की संख्या दोगुनी कर रही है। उन्होंने कहा, भारत क्षेत्र में अपनी तरह का पहला राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित कर रहा है, जो विमान दुर्घटना के जांचकर्ताओं और विमानन पेशेवरों को प्रशिक्षित करेगा। यह हमारी दीर्घकालिक दृष्टि को दर्शाता है कि हम विश्वस्तरीय सुरक्षा ढांचा और मानव संसाधन तैयार करें। सिन्हा ने एशिया-प्रशांत दुर्घटना जांच समूह की 13वीं बैठक के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। यह बैठक पहली बार भारत में आयोजित हो रही है।

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति श्रद्धालुओं को दिसंबर में लेकर जाएगी रामेश्वरम्

हरिभूमि न्यूज ▶▶बिलासपुर

राम एवं शिव कृपा की पावन स्थली रामेश्वरम धाम पहुंचकर अपने जीवन को धन्य बनाने का सपना संजोए 1500 श्रद्धालुओं के जत्थे का सपना जल्द साकार होगा। श्रद्धालुओं की इस अभिलाषा को पिछले डेढ़ दशक से अपनी अखंड श्रमण भावना की बदौलत सूर्य से शिखर पर पहुंचकर देश का नाम रोशन करने वाली समिति के रूप में साकार हो चुकी श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति पूरा करने जा रही है। विशेष प्रशिक्षित 80 सदस्यों के साथ 20 दिसंबर से 30 दिसंबर तक एक बार फिर रामेश्वरम धाम की यादगार पावन यात्रा को 1500 श्रद्धालु साक्षी बनेंगे। रामेश्वरम धाम, तिरुपति बालाजी, मल्लिकार्जुन , कन्याकुमारी, मदुरै श्री मीनाक्षी देवी में एक अलग ही आनंद की अनुभूति होती है। यह अनुभव और भी अद्भुत हो जाता है।

श्रद्धालुओं को जीवन में एक बार इस पवित्र यात्रा में शामिल होने का अवसर जरूर प्राप्त करना चाहिए। श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति का यह जत्था लगातार 18 वर्षों से देशभर में धर्म यात्रा का संचालन कर रहा है। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस बार भी यात्रा के दौरान 20 दिसंबर से 30 दिसंबर तक स्पेशल ट्रेन के माध्यम से दर्शन यात्रा पर ले जाया जाएगा। ट्रेन में संपूर्ण सुविधा युक्त भोजन व श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित होंगे। यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं को रामेश्वरम धाम, तिरुपति बालाजी, मल्लिकार्जुन, कन्याकुमारी, मदुरै श्री मीनाक्षी देवी के दर्शन होंगे। यह यात्रा श्रद्धालुओं के जीवन में एक अद्भुत अनुभव के रूप में अंकित होगी। अधिक जानकारी के लिए श्रद्धालु समिति की वेबसाइट पर जाकर संपर्क कर सकते हैं। समिति के अनुसार दर्शन स्थलों की पावनता और दिव्यता श्रद्धालुओं को अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों से जोड़ती है और जीवन में शांति का संदेश देती है। समिति का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद और धार्मिक वातावरण में यात्रा का आनंद दिलाना है। समिति प्रत्येक यात्रा में अनुभवी प्रबंधक व मार्गदर्शक के साथ व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- टेलरिंग शॉप में सफारी सूट सिलाई हेतु कारीगर, सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं साफ सफाई हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- टेलर्स सिटीमैन बृहस्पति बाजार रोड, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 95890 42866 (38997)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल डिलिवरी पेमेन्ट कलेक्शन हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39006)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (कम्प्यूटर जानकार), मेडिकल एवं नर्सिंग स्टाफ, ओटी टेक्नीशियन, हाउस कीपिंग, ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- शिवांगी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7898917305 (39005)

आवश्यकता है- मार्केटिंग केनोपी में बैठने हेतु 10 युवतियों (सैलरी+ कमीशन) एवं छोटा हाथी (प्रचार वाहन) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस स्टॉफ के लिये मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9993243498 (39002)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वैलरी शॉप में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक, पानी टंकी के पास श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9691083080, 79874 23847 (38999)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियों की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000 रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (38991)

आवश्यकता है- प्रकाश साड़ी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है (साड़ी एवं हेडलूम का 10 साल तक का अनुभवी) पेमेंट योग्यतानुसार संपर्क करें प्रकाश साड़ी कश्यप कॉलोनी बिलासपुर 7587314639 (39003)

आवश्यकता है- चश्मा दुकान में काम करने लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- न्यू डेविल चश्मा सिम्स हॉस्पिटल के सामने बिलासपुर 9098444923 (39008)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर महिला टीचर्स एवं पुरुष सफाईकर्मी चाहिए सम्पर्क करें- (9-2बजे तक) संस्कार स्कूल स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास उसलापुर 74405 49466, 9691259615 (38998)

आवश्यकता है-बकुल अगरबत्ती में छोटा हाथी और वैन चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 96442 34567 (38988)

आवश्यकता है-घर के खाना पकाने के काम के लिए जिसको वेज, नॉनवेज, चाइनीस, सूप, रोटी, पराठा, मेगी, ममो आदि बनाने के काम आता हो तो सम्पर्क करें- (सिर्फ पुरुष) 9981398787, 89639 95637 (38981)

आवश्यकता है-अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन रुपये 15000 प्रतिमाह। सम्पर्क करें- लछमन सीमेन्ट सदर बाजार बिलासपुर समय सुबह 11बजे से दोपहर 1बजे तक (38992)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम के लिये लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 79999 34599 (39004)

आवश्यकता है-रेडिमेड मेन्स वियर दुकान में काम करने के लिए हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- शगुन मेन्स वियर सिम्स के सामने मेन रोड बिलासपुर (38964)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला/ युवती) एवं अन्य कार्य हेतु लड़के/ लड़कियां की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 98274 73604, 9131452265 (39000)

आवश्यकता है-Philips, Ahuja टीवी, डीजे शोरूम में चार लड़के, स्टोर मैनेजर चाहिए वेतन 8000 से 10000 नये और अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 96850 05500 (38982)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए दो युवकों की आवश्यकता है वेतन 9000 से 13000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नटराज इलेक्ट्रीकल्स स्टेट बैंक के पास नया सरकंडा बिलासपुर 9098195247 (38993)

आवश्यकता है-चश्मा दुकान में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सपना चश्मा घर सिटी कोतवाली के पीछे तेलीपारा रोड बिलासपुर 9827110803 (38979)

आवश्यकता है- छोटा हाथी पिकअप चलाने के लिए 2 ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-शारदा एजेन्सी व्यापार विहार बिलासपुर 9926124555 (39001)

आवश्यकता है-आफिस में एकाउंट कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। जिन्हें कम्प्यूटर और मैनुअल काम का अनुभव हो। सम्पर्क करें- सुबह 8बजे से 10बजे तक 7440549458, 9300311692 (38995)

आवश्यकता है-टायर एण्ड सर्विस दुकान में अनुभवी एक टेक्नीशियन एवं एक मेहनती लड़के की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 98271 68468 (38989)

आवश्यकता है-नौकरी अवसर क्राउन पब्लिशिंग, सरकंडा, बिलासपुर में MS Office Tally एकाउंटिंग में 1 से 2 वर्ष अनुभव वाले 12वीं से स्नातकोत्तर लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7974794530 (38983)

आवश्यकता है-अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेन्ट, अनुभवी PRO फील्ड वर्क अनुभवी, अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, X-RAY टेक्नीशियन सीपत के लिए चाहिए। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (38987)

आवश्यकता है- कपड़े शोरूम में सेल्समैन (वेतन 11000 से 13000), हेल्पर लड़के, लड़कियां चाहिये (वेतन 7000 से 10000) सम्पर्क करें- दोपहर 2-5, न्यूलुक कलेक्शन बृहस्पति बाजार चौक राजेन्द्र नगर रोड बिलासपुर 9238247005 (38868)

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेंसी में कार्य करने हेतु इलेक्ट्रीशियन, डाईवर,ऑफिस एक्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर एवं लेबर कार्य (फ्लैक्स माउंटिंग) हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। पता- सी-15, ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 6264550163 (38972)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल होलसेल दुकान में मार्केटिंग (फिल्ड वर्क) एवं दुकान में रहकर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री देवेश इन्टरप्राइजेस पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 8770965033, 98271 87037 (38974)

आवश्यकता है-सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38934)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 (38966)

आवश्यकता है-पेंट्स दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रंग महल पेंट्स रायपुर रोड जरहाभाटा बिलासपुर 9826412398 (38977)

आवश्यकता है-टेन्ट हाउस में अकाउन्ट कार्य के अनुभवी एवं कम्प्यूटर जानकार युवक की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- बिलासपुर 8001975775 (38965)

आवश्यकता है-बिलासपुर के प्रतिष्ठित संस्थान को 2 पद कार ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभव 7 वर्ष से अधिक, नशा मुक्त, वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- 76103 20000 (38963)

आवश्यकता है-केयर टेकर (देखरेख करने वाली) बच्चों एवं घरेलू काम हेतु और गौशाला के काम हेतु स्त्रियों, पुरुषों या परिवार की। रहना खाना फ्री, आकर्षक वेतन सम्पर्क- केरा रोड जांजगीर मो. 8600012354 (38970)

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 तक पता- शॉप नं- 16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक विलासपुर 7806007192, 7999594790 (38954)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 8982690021, 9993911979 (511)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 10वीं से ग्रेजुएशन वेतन 5000 कमीशन सम्पर्क-तोरवा धान मंडी बिलासपुर 62669 68312 (340)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9241054300 (590)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 (512)

बेचना

बेचना है-नेहरू चौक से 320 मीटर दूर स्थित इंजीनियर कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान मूल्य 72लाख शीघ्र बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क करें- 7648017211 (38971)

बेचना है-यदुनन्दन नगर तिफरा में पूर्व मुखी लाल ईट से बना डबल स्टोरी न्यू 3BHK मकान। फालसीलिंग मॉड्यूलर किचन, स्टील रेलिंग, सीसी रोड, सागौन दरवाजा, कामन बोर, कीमत 40लाख। सम्पर्क- 79871 66040 (38967)

बेचना है- चकरभाठा बस्ती प्राइमरी स्कूल के पास 1BHK का 2000 वर्गफुट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान खुला आंगन सहित बेचना है संपर्क करें 7000186749 (38996)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- रायपुर रोड में हाई कोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड में 50×200 वर्गफुट का प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 7869575428 (39008)

बेचना है-श्री राम पार्क कॉलोनी सकरी, बिलासपुर राष्ट्रीय राज मार्ग के बगल में 30×50 वर्गफीट पूर्व मुखी, आवासीय टीएनसी रेरा स्वीकृत प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 91655 36159 (38980)

बेचना है-बिलासपुर के प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK स्वतंत्र मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 6265041277, 84619 97770 (339)

किराये पर चाहिए

किराये पर चाहिए-बिलासपुर शहर में 1BHK अथवा 2BHK का सर्व सुविधा युक्त मकान किराये पर चाहिए। किराये पर मकान देने वाले इच्छुक मकान मालिक सम्पर्क करें- 7987027107 (38978)

किराया

Rent-3 Bed room Furnished House for rent in Ameri road nehru nagar Bilaspur Contact- 9926942759, 8251061144 (27620)

व्यापार

व्यापार-जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित सम्पर्क करें- APS इंटरप्राइजेस रायपुर- 91117 60925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 (302)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

कजाकिस्तान ने भारत को बराबरी पर रोका

नई दिल्ली। भारत की अंडर-20 महिला टीम ने कजाकिस्तान के शिमकेंट में बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दूसरे और अंतिम मैत्री मैच में कजाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। दोनों गोल दूसरे हाफ में किए गए। एडेलिया बेक्कोझिना ने 47वें मिनट में मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई, जबकि पूजा ने 55वें मिनट में इस दौरे का अपना दूसरा गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले अंडर-20 महिला एशिया कप की तैयारी के सिलसिले में यह दौरा किया था, जिसमें उसने दो मैत्री मैच खेले। भारत ने शनिवार को पहला मैत्री मैच 3-2 से जीता था।

ऑस्ट्रेलिया अपना आक्रामक रवैया जारी रखेगा: मार्श

कैनबरा। आस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श जानते हैं कि अति आक्रामक बल्लेबाजी करने की रणनीति हमेशा कारगर साबित नहीं होती लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के

तहत आक्रामक रवैया अपनाना जारी रखेगी। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तहत भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2021 में टी20 विश्व कप जीता था जबकि भारत 2024 में चैंपियन बना था। मार्श ने कहा, 'पिछले दो विश्व कप में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और मुझे लगता है कि हमने एक टीम के रूप में खुद को चुनौती देने की बात की थी, ताकि हम विश्व कप जीत सकें।''

भारत ने एशियाई रिले के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली। भारत ने आगामी वर्षों में महाद्वीपीय और वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन के अपने प्रयासों के तहत 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले की मेजबानी के लिए बोलियां पेश की हैं। भारत अगर इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी हासिल करने में सफल रहा तो यह पहली बार होगा जब देश इन दो महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भुवनेश्वर को मेजबान शहर के रूप में प्रस्तावित किया है, जबकि 2026 एशियाई रिले के लिए स्थल अभी तय नहीं हुआ है। एएफआई के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, 'हमने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भुवनेश्वर को मेजबान शहर के तौर पर बोली प्रस्तुत की है।

सोफी की फिटनेस को लेकर इंग्लैंड परेशान

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड अपनी सबसे अधिक विकेट लेने

वाली गेंदबाज सोफी एकलेस्टोन की फिटनेस को लेकर परेशान है। बाएं हाथ की इस स्पिनर को क्योंकि लेफ्ट आर्म स्पिनर को 'कॉलर बोन के पास के जोड़ में मामूली चोट' लगी है। एकलेस्टोन अब तक टूर्नामेंट में इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहीं हैं। उन्होंने छह मैच में 12 विकेट लिए हैं। ईसीबी ने कहा, 'सोफी एकलेस्टोन के बाएं कंधे के एनआरआई स्कैन के नतीजों से पता चला है कि उनके कॉलर बोन के पास के जोड़ में मामूली चोट है।

गुकेश ने नाकामुरा को हराया, 'किंग थ्रो' विवाद का हिसाब किया बराबर

एजेंसी ▶▶| सेंट लुईस

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने अमेरिका के सेंट लुईस में आयोजित क्लच चेस चैंपियंस शोडाउन 2025 में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा को रैपिड फॉर्मेट में हराकर मिनी मैच अपने नाम किया। यह जीत सिर्फ एक मुकाबले की नहीं थी, यह उस विवाद का जवाब भी थी, जिसने कुछ हफ्ते पहले शतरंज जगत को हिला दिया था।

दरअसल, कुछ समय पहले दोनों के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान नाकामुरा ने गुकेश को हराने के बाद उनका किंग मोहरा उठाकर दर्शकों की ओर फेंक दिया था, जिससे भारी विवाद खड़ा हो गया था।

गुकेश ने शालीनता से जीता दिल

गुकेश ने राउंड 2 के पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए शानदार रणनीति के साथ जीत दर्ज की। इसके बाद सभी की नजरें उनके रिएक्शन पर थीं। लेकिन गुकेश ने अपनी भावनाओं पर काबू पाते हुए शांति से बोर्ड को रीसेट किया, मोहरों को उनकी जगह पर रखा और नाकामुरा से हाथ मिलाया। उनकी इस प्रतिक्रिया ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर भी इसका वीडियो काफी तेजी से वायरल है। प्रशंसकों का कहना है कि 'गुकेश ने खेल भावना की मिसाल पेश की'।

क्या है 'किंग थ्रो' विवाद?

'चेकमेट : भारत बनाम अमेरिका' प्रदर्शनी इवेंट का हाल ही में टेक्सास के आर्लिंगटन में आयोजन किया गया था। इस दौरान अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनके राजा के मोहरे को दर्शकों की ओर फेंक दिया। इस निंदनीय कदम ने सोशल मीडिया पर चर्चा और आलोचना का तूफान खड़ा कर दिया।

आयोजकों ने पहले से बनाई थी योजना

हालांकि बाद में यह रिपोर्ट सामने आई कि राजा के मोहरे को फेंकने की हरकत आयोजकों ने पहले से ही योजना बनाई थी। प्रसिद्ध शतरंज विशेषज्ञ लेवी रोजमन ने बताया, 'बिना संदर्भ के यह एक अप्रत्याशित और असम्मानजनक हरकत लग सकती है। लेकिन आयोजकों ने हमें इसे करने के लिए प्रोत्साहित किया था। मुझे याद है कि अगर मैंने या सागर शाह ने जीत हासिल की, तो हमें राजा के मोहरे को तोड़ना था। यह सब मनोरंजन के लिए था। गुकेश और हिकारु के मैच का विजेता राजा के मोहरे को दर्शकों में फेंकता। मुझे नहीं पता कि गुकेश ऐसा करते या नहीं। हिकारु ने बाद में गुकेश से बात की और बताया कि यह केवल शो के लिए था और कोई अपमान नहीं था।'

दोनों टीम ने पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 जीते और एक-एक मैच हारे

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 जंग आज से, फॉर्म में लौटने को बेताब सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 अक्टूबर बुधवार को होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फॉर्म में लौटने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम ने अपने पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से आठ जीते हैं और एक-एक मैच हारे हैं, इसलिए मुकाबला बराबरी का होने की उम्मीद है। भारत का एक मैच टाई रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सूर्यकुमार का रन नहीं बना पाना टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर खेल दिखाने के लिए वह प्रतिबद्ध होंगे।

आज दोपहर 1:45 बजे से शुरू होगा मुकाबला

टी20 में पावरप्ले अहम : सूर्यकुमार

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में पावरप्ले के ओवर काफी महत्वपूर्ण होंगे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी से मैच के इस समय में उनकी टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सूर्यकुमार ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली के सामने बुमराह का होना हमेशा से उनकी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। सूर्यकुमार ने कहा, 'पावर प्ले में गेंदबाजी करना हमेशा चुनौती होती है। हमने देखा है कि वे (ऑस्ट्रेलिया) वनडे श्रृंखला और टी20 विश्व कप में किस तरह से खेले। पावर प्ले हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

सूर्य ने 10 पारियों में सिर्फ 100 रन ही बनाए

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्या का खुलकर समर्थन किया और उनका मानना है कि कप्तान का लगातार कम स्कोर पर आउट होना चिंता का विषय नहीं है। सूर्यकुमार हालांकि बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सूर्यकुमार यादव ने 2023 में 18 पारियों में लगभग 156 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने 2024 में 151 के स्ट्राइक रेट से 450 से थोड़ा कम रन बनाए, लेकिन 2025 में अब तक भारतीय कप्तान 10 पारियों में 11 रन प्रति मैच की औसत से केवल 100 रन ही बना पाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 105 से अधिक है, जिससे यह पता चलता है कि भले ही उन्हें रन बनाने में संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपनी आक्रामक रणनीति को पूरी तरह से नहीं छोड़ा है।

टी-20 विश्व कप के लिए भारत की तैयारी की शुरुआत

ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला अगले साल की शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत की वास्तविक तैयारी की शुरुआत है, जिसमें उसे 15 मैच खेलने हैं। लेकिन यह कहा जा सकता है कि इस श्रृंखला के परिणाम का कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले 10 मैच घरेलू परिस्थितियों में खेले जाएंगे।

अभिषेक के लिए नई चुनौती

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर अतिरिक्त उछाल से निपटना एक नई चुनौती होगी और इसलिए कप्तान का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मनुका ओवल की पिच पर उछाल होने के कारण सूर्य कुमार को अधिकतम लाभ हासिल करने का मौका मिलेगा, लेकिन जोश हेजलवुड उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

बुमराह की मौजूदगी महत्वपूर्ण कारक

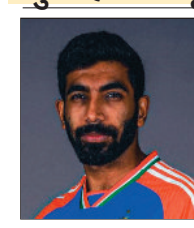

भारत के गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी और वरुण चक्रवर्ती की चतुराई महत्वपूर्ण कारक होंगे। वरुण, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के 12 ओवर तथा बुमराह और अर्शदीप के शुरुआती स्पैल ट्रेविस हेड और खतरनाक मिशेल मार्श के खिलाफ काफी महत्वपूर्ण होंगे।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस।

विमेंस वनडे रैंकिंग

स्मृति ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग, नंबर-1 पर कायम

एजेंसी ▶▶| दुबई

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने घरेलू विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने के साथ महिला वनडे क्रिकेट में शीर्ष बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

बाएं हाथ की इस 29 साल की बल्लेबाज ने पिछले दो मैचों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए हैं।

इन पारियों के बाद उनके नाम 828 रेटिंग अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर (731) से 97 अंक अधिक हैं। गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की छलांग लगाई। मंधाना को इससे पहले सितंबर 2025 के लिए 'आईसीसी-महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया था।

प्रतिका शीर्ष 30 में

चोट के कारण विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हुई भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) में पहुंच गईं। इस विश्व कप में स्पिन की अहम भूमिका रही है और कई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन के बूते अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

सोफी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग (747) में शीर्ष पर बनी हुई हैं। एकलेस्टोन को ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग से कड़ी टक्कर मिल रही है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट लिए थे। किंग ने अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 698 के साथ पांच स्थान की छलांग लगाई, जिससे उनकी टीम की साथी गार्डनर एक स्थान फिसलकर तीसरे (689) स्थान पर आ गईं। पाकिस्तान की नशरा संधू दक्षिण अफ्रीका की बायें हाथ की स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहीं, जबकि तेज गेंदबाज मारिजन काप और सदरलैंड भी एक-एक स्थान के सुधार के साथ क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं।

फुटबॉल

दो महीने मैदान से बाहर रहेंगे रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी कार्वाजल

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियल मैड्रिड को एफसी बार्सिलोना के खिलाफ जीत की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। मैड्रिड के डिफेंडर दानी कार्वाजल को घुटने में चोट लगी है, जिसके बाद अब वह 2026 की शुरुआत तक मैदान से बाहर रहेंगे। रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना पर 2-1 जीत दर्ज की थी, लेकिन इस दौरान टीम का यह डिफेंडर चोटिल हो गया। अब दानी कार्वाजल को ठीक होने में लगभग दो महीने का समय लगेगा। रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट ने बताया, 'रियल मैड्रिड की मेडिकल टीम ने दानी कार्वाजल की जांच की, जिसमें उनके दाएं घुटने के जोड़ में एक 'लूज बॉडी' पाया गया है। डिफेंडर अब 'आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी' से गुजरेंगे।

लगभग 10 मैच मिस कर सकते हैं दानी

स्पेन के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को मांसपेशियों में चोट के कारण एक महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद बार्सिलोना के खिलाफ दूसरे हाफ में स्थानापन्न के रूप में वापसी की। अगर रिकवरी टाइमलाइन सही रही, तो कार्वाजल 2025 में फिर से नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में दानी लगभग 10 मैच मिस कर सकते हैं, जिनमें से 7 ला लीगा और 3 चैंपियंस लीग के मुकाबले होंगे। 33 वर्षीय खिलाड़ी को घुटने के लिगामेंट में चोट के कारण 2024-25 में लगभग पूरे सीजन बाहर रहना पड़ा था। वह मौजूदा सत्र की शुरुआत में ही मैदान पर लौटे, ताकि टीम में नए शामिल हुए ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के साथ राइट-बैक की जगह के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें।

कलकल ने रचा इतिहास, फ्री स्टाइल में जीता गोल्ड, उज्बेकिस्तान के पहलवान को हराया

एजेंसी ▶▶| नोवी साद

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया।

दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला, जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया। सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

आईसीयू से बाहर आए अय्यर, हालत स्थिर

नई दिल्ली। भारत की वनडे टीम की उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता कम हो गई है। उन्हें तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) और पसली में चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'उन्हें आईसीयू से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है और सिडनी के अस्पताल से छुट्टी मिलने में उन्हें कुछ दिन और लग सकते हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का मुश्किल कैच लेने की कोशिश में अय्यर को बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। शुरुआत में वह फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था।

इंग्लैंड के खिलाफ द. अफ्रीका को दिखाना होगा दम

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

लीग चरण में कुछ करीबी जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को महिला वनडे विश्व कप के अंतिम चार के मुकाबले में अगर चार बार के चैंपियन इंग्लैंड के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका को लीग चरण में जिन दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था, उन दोनों में उसके बल्लेबाज नाकाम रहे। इन दोनों अवसरों पर उसकी बल्लेबाजी स्पिन के सामने बिखर गई। अपने पहले मैच में 69 रन पर आउट होने के बाद निराश दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अच्छी वापसी की तथा न्यूजीलैंड, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान पर करीबी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। स्पिनरों के सामने उसके बल्लेबाजों का संघर्ष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम लीग खेल में फिर से सामने आया, जिसने उन्हें 24 ओवरों में सिर्फ 97 रन पर ढेर कर दिया।

इंग्लैंड की एलिस कैप्सी अच्छी लय में

इंग्लैंड एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने के लिए न केवल अपनी ऑलराउंड ताकत पर बल्कि अपनी स्पिन तिकड़ी सोफी एक्लेस्टोन, लिंसे स्मिथ और चार्ली डीन पर भी निर्भर करेगा।

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अम्बिकापुर ग्राम-केरता

ई-निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 1400 — **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** — दिनांक 28/10/2025

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित अम्बिकापुर ग्राम केरता में पेराई सत्र 2025-26 में शुगर बैग हैंडलिंग, राखड़ हैंडलिंग, प्रेसमढ़ हैंडलिंग, बगास हैंडलिंग एवं कारखाने का बीमा हेतु निम्नलिखित तिथि अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छूक फर्मों/निविदाकार द्वारा ई-निविदा में भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311.00 रूपये (1000.00 रूपये 311.00 रूपये चिप्स द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (**E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in**)से फार्म डाऊनलोड़ कर भरकर अपलोड़ कर सकते है।

क्र.	निविदा का विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय जमा तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
01	ड्रायर हाऊस में शक्कर बोरी सिलाई हेण्डलिंग एवं शक्कर गोदाम/निर्धारित स्थान तक पहुंचाने का कार्य हेतु ई-निविदा	दिनांक 29/10/2025 को समय साम 05.00 बजे से 12/11/2025 को दोपहर 12.00 बजे तक (निर्धारित अंतिम समय तक http://eproc.cgstate.gov.in पे अपलोड़ किया जाना होगा। ई-निविदा अपलोड़ होने पर ही मान्य किया जावेगा।)	दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 12:05 बजे के बाद
02	शक्कर बोरी को गोदाम/निर्धारित में छल्ली लगाने का कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 01:00 बजे के बाद
03	बगास हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 01:30 बजे के बाद
04	राखड़ को ट्रेक्टर द्वारा हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 02:00 बजे के बाद
05	प्रेसमड़ को ट्रेक्टर द्वारा हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 2:30 बजे के बाद
06	कारखाने का बीमा हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 03:00 बजे के बाद

उक्त 06 ई-निविदाओं से सम्बंधित विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र हेतु कारखाने के Website-www.mahamayasugar.com एवं शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement http://eproc.cgstate.gov.in) पर देखा एवं डाऊनलोड़ किया जा सकता है। एवं कारखाना प्रबंधन द्वारा मात्रा में कमी या वृद्धि किया जा सकता है एवं बिना कारण बताए निविदा निरस्त किया जा सकता है।

प्रबंध संचालक

28- OCT- K&C- MAIN- Pg- 12 SARA SANSAR_Layout 1 10/28/2025 11:29 PM Page 1

हवा में उड़ती है ये ट्रेन, पटरी से इतनी ऊंचाई पर भरती है रफ्तार

लंदन। दुनिया में एक ऐसी ट्रेन मौजूद है जो पटरियों से चिपककर नहीं चलती, बल्कि हवा में उड़ती हुई रफ्तार भरती है। हम जिस ट्रेन की बात कर रहे हैं, उसे आम तौर पर मैग्लेव ट्रेन कहा जाता है। 'मैग्लेव' शब्द 'मैग्नेटिक लेविटेशन' से बना है, जिसका अर्थ है चुंबकीय शक्ति से हवा में तैरना. यह एक दमदार तकनीक है। इस तकनीक को अभी कुछ ही देशों में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत आने में अभी इस तकनीक को समय लग सकता है।

मैग्लेव ट्रेन की खासियत

हवा में उड़ना: मैग्लेव ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पटरियों को छूती नहीं है। यह शक्तिशाली इलेक्ट्रोमैग्नेट्स का इस्तेमाल करके पटरी (यानी गाइडवे) से कुछ मिलीमीटर ऊपर हवा में तैरती है।

घर्षण का न होना: चूंकि ट्रेन और पटरी के बीच कोई फिजिकल कान्टैक्ट नहीं होता है, इसलिए घर्षण बल शून्य हो जाता है। यही कारण है कि यह ट्रेनें असामान्य गति से दौड़ पाती हैं।

हवा की रफ्तार: घर्षण कम होने के कारण, मैग्लेव ट्रेनें बहुत तेज स्पीड पकड़ सकती हैं। विश्व स्तर पर, कुछ मैग्लेव ट्रेनें 500 किमी प्रति घंटे से 600 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से भी दौड़ने का रिकॉर्ड बना चुकी हैं।

दुनिया में कहां चलती है?

वर्तमान में, शंघाई (चीन) में चलने वाली शंघाई मैग्लेव सबसे प्रसिद्ध कमर्शियल मैग्लेव लाइन है। इसके अलावा, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी इस तकनीक पर काम कर रहे हैं और इनका उपयोग कर रहे हैं।

यह कैसे काम करती है?

मैग्लेव ट्रेन दो मुख्य चुंबकीय सिद्धांतों पर काम करती है:

लेविटेशन: ट्रेन के नीचे और पटरी में शक्तिशाली चुंबक लगे होते हैं। इन चुम्बकों को इस तरह से चार्ज किया जाता है कि वे एक-दूसरे को प्रतिकर्षित करें।

प्रोपल्शन: पटरी में लगे चुम्बकों की पोलैरिटी को लगातार बदला जाता है, जिससे ट्रेन को आगे की ओर धकेला जाता है। यह ठीक उसी तरह काम करता है जैसे एक लाइनीयर मोटर काम करती है, जो ट्रेन को जबरदस्त रफ्तार देती है।

ऑक्सीजन बिना भी जीवन संभव है! धरती पर मौजूद ये 7 जानवर वैज्ञानिकों के लिए भी हैं पहेली

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि धरती पर ऐसे भी कुछ जीव मौजूद हैं, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकते हैं? वैज्ञानिकों ने ऐसे 7 जीवों की पहचान की है जो ऑक्सीजन के अभाव में भी न केवल जिंदा रहते हैं, बल्कि ऊर्जा भी पैदा करते हैं।

हेनेगुया साल्मिनिकोला

इस लिस्ट में पहला नाम हेनेगुया साल्मिनिकोला का आता है। यह छोटा परजीवी सैल्मन मछली की मांसपेशियों के अंदर बिना ऑक्सीजन के रहता है। इसमें माइटोकॉन्ड्रिया नहीं होता जो कोशिका का वह हिस्सा है जिसे ऊर्जा के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। हेनेगुया साल्मिनिकोला ऐसा जीव है जो सैल्मन मछली के शरीर से ही ऊर्जा प्राप्त करता है।

लोरिसिफेरा

इस लिस्ट में दूसरा नाम लोरिसिफेरा का आता है। ये छोटे जीव भूमध्य सागर की गहराई में रहते हैं जहां ऑक्सीजन नहीं होती. ये हाइड्रोजनोसोम नामक कोशिकांगों से ऊर्जा बनाते हैं जो बिना ऑक्सीजन के काम करते हैं।

नग्न छछूंदर

इस लिस्ट में तीसरा नाम नग्न छछूंदर भूमिगत रहते हैं और ऊर्जा उत्पादन के लिए चीनी का अलग तरीके से उपयोग करके लगभग 18 मिनट तक ऑक्सीजन के बिना जीवित रह सकते हैं।

टार्डिग्रेड्स

इस लिस्ट में सांतवा नाम टार्डिग्रेड्स का आता है जिसे भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ स्पेस में भी लेकर गए थे. टार्डिग्रेड्स को वॉटर बियर या पानी के भालू के नाम से भी जाना जाता है। टार्डिग्रेड्स एक कठोर जीव है जो अत्यधिक तापमान, रेडिएशन और निर्वात जैसी खतरनाक परिस्थितियों में भी जीवित रह सकता है। इस जीव को भी काफी लंबे समय तक जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होती है।

ट्यूबवर्म

इस लिस्ट में छठा नाम ट्यूबवर्म का आता है। गहरे समुद्र के छिद्रों के पास रहने वाले ट्यूबवर्म, ऑक्सीजन की आवश्यकता के बिना रसायनों को ऊर्जा में बदलने के लिए बैक्टीरिया का उपयोग करते हैं और काफी लंबे समय तक जीवित रह सकता है।

चित्रित कछुआ

इस लिस्ट में चौथा नाम चित्रित कछुआ के आता है। सर्दियों में चित्रित कछुए 4 से 5 महीने तक बिना ऑक्सीजन के कीचड़ में सोते हैं। वे अपने शरीर की क्रियाओं को धीमा कर देते हैं और बिना ऑक्सीजन के जीवित रहते है।

एपॉलेट शार्क

इस सूची में पांचवा नाम एपॉलेट शार्क का आता है। ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ की यह शार्क हृदय की गति और ऊर्जा के उपयोग को धीमा करके बिना ऑक्सीजन के तीन घंटे या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकती है।

38 की उम्र में 18 की लगती है महिला हर महीने खर्च करती है 2 लाख रुपए!

लोग समझ लेते हैं बेटी की बड़ी बहन

लंदन। इंग्लैंड की रहने वाली ट्रेसी किस नाम की 38 वर्षीय महिला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वजह यह है कि वे अपनी उम्र से आधी यानी अपनी 18 साल की बेटी की बहन जैसी दिखती हैं। ट्रेसी का दावा है कि वे हर महीने करीब 2,000 पाउंड (लगभग 2 लाख रुपए) तक खर्च करती हैं ताकि हमेशा जवान बनी रहें। दुनिया में ऐसे बहुत कम लोग होंगे जो अपनी उम्र को अपना लेते हैं। अधिकतर लोग उम्र को घटाने के पीछे लगे रहते हैं। फिर चाहे वो पुरुष हो या महिला. एक 38 साल की महिला ने भी ऐसा ही किया और अब वो इस उम्र में 18 साल की लगती है। उसे देखकर लोग उसे बेटी की बड़ी बहन समझ लेते हैं। महिला ने बताया कि उसने उम्र पर कैसे काबू पा लिया।

इंग्लैंड की रहने वाली ट्रेसी किस नाम की 38 वर्षीय महिला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वजह यह है कि वे अपनी

उम्र से आधी यानी अपनी 18 साल की बेटी की बहन जैसी दिखती हैं। ट्रेसी का दावा है कि वे हर महीने करीब 2,000 पाउंड (लगभग 2 लाख रुपए) तक खर्च करती हैं, ताकि हमेशा जवान बनी रहें। कभी थकान और बीमारियों से जूझ चुकी ट्रेसी अब 'बायोहैकिंग' नाम की तकनीक अपनाकर खुद को पूरी तरह बदल चुकी हैं। उनका कहना है, 'बायोहैकिंग मेरे लिए जैसे दोबारा जन्म लेने जैसा है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा मजबूत, स्वस्थ और खुश महसूस करती हूं।'

25 की उम्र में महसूस हुई थी 80 साल की थकान

ट्रेसी ने बताया कि जब वे 25 साल की थीं, तब खुद को '80 साल की बूढ़ी औरत' जैसा महसूस करती थीं। उनके शरीर में लगातार दर्द रहता था, थोड़ी देर चलने पर चक्कर आने लगते थे और थकावट इतनी बढ़ गई थी कि वे रोते-रोते सो जाती थीं। उस समय वे दो बच्चों की सिंगल मदर थीं और उन्हें डर था कि अगर कुछ हो गया तो बच्चों का क्या होगा। ट्रेसी एहलर्स-डानलोस सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ जेनेटिक बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें शरीर के कनेक्टिव टिश्यू (ऊतक) कमजोर हो जाते हैं और व्यक्ति को कई खाद्य पदार्थों से एलर्जी होने लगती है। अपनी जिंदगी में सुधार लाने के लिए ट्रेसी ने डाइट और दिनचर्या में बड़ा बदलाव किया। उन्होंने वीगन जीवनशैली अपनाई और रोजाना करी-चावल, दलिया और प्रोटीन शेक्स लेना शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने वेट ट्रेनिंग, मेडिटेशन और योग को दिनचर्या में शामिल किया।

शादी में दूसरों की औलाद को संभालो और लाखों कमाओ!

लंदन। अक्सर शादियों में बच्चे सबसे ज्यादा उधम मचाते हैं और पैरेंट्स के लिए उन्हें संभालना सबसे ज्यादा मुश्किल हो जाता है, लेकिन न्यूयॉर्क की सैंड्रा वियर ने इसी परेशानी को अपने कॅरियर में बदल दिया। आज वह 'वेडिंग नैनी' की फाउंडर हैं और सिर्फ़ बच्चों को संभालकर दिन के $1,000 (करीब 88,000) तक कमा लेती हैं।

एक रात की गिग ने बदल दी ज़िंदगी: सैंड्रा पिछले 11 सालों से बेबीसिटिंग कर रही थीं, लेकिन साल 2024 की एक शादी में उन्हें चार बच्चों की देखभाल का काम मिला। रातभर में कई मेहमानों ने उनसे पूछा, 'क्या आप सिर्फ़ शादियों में बच्चों को संभालती हैं?' बस यहीं से उनकी ज़िंदगी बदल गई और 'वेडिंग नैनी' की शुरुआत हुई।

88,000 एक दिन की फीस, पर क्यों?

सैंड्रा का पैकेज 12 घंटे की ऑन-साइट चाइल्डकेयर के लिए $1,000 से शुरू होता है। अगर बच्चों की संख्या ज़्यादा हो, तो $65 प्रति घंटा प्रति नैनी चार्ज किया जाता है। वो कहती हैं कि, 'हम इंश्योरेंस, ट्रेनिंग और सेफ्टी पर खर्च करते हैं, इसलिए ये रेट सुनकर लोग चौंक जाते हैं।' हर इवेंट से पहले सैंड्रा परिवार से बात करती हैं।..बच्चों की पर्सनैलिटी, एलर्जी, सेफ्टी और पूरी लॉजिस्टिक डिटेल्स तक जान लेती हैं।

यहां बीमार होते ही भेड़ का पेट सूंघते हैं लोग, बीमारियों का रामबाण इलाज

अदीस अबाबा। इथियोपिया के दक्षिणी ओमो वैली में बसी हमर (हामर) ट्राइब की दुनिया आज भी रहस्यों से भरी हुई है। यह समुदाय, जो लगभग 40 हजार लोगों का है, अपनी अनोखी परंपराओं के लिए जाना जाता है—जैसे महिलाओं का गोटा (शारीरिक परीक्षा) रिवाज और बुल जंपिंग समारोह। लेकिन. सबसे चौंकाने वाली प्रथा है उनकी चिकित्सा पद्धति, जहां बीमारी का इलाज भेड़ या बकरी के पेट को फाड़कर सूंघने से होता है।

जी हां, अगर कोई सदस्य बीमार पड़ जाए, तो ट्राइब वाले जानवर की बलि चढ़ाते हैं, उसके पेट (रुमेन) को खोलते हैं और अंदर की अपचित घास-जड़ी-बूटियों की तेज गंध को गहराई से सूंघते हैं।

हर बीमारी का इलाज

ट्राइब में जब कोई व्यक्ति सर्दी-जुकाम, पेट दर्द या रहस्यमयी बीमारी से ग्रस्त होता है तो परिवार जानवर चुनता है—ज्यादातर बकरी या भेड़। बलि के बाद उसके पेट को सावधानी से निकाला जाता है और फाड़ा जाता है। इसके बाद अंदर का कंटेंट—अपचित हरा चारा, जड़ी-बूटियां और पाचन रस—की गंध को मरीज बार-बार सूंघता है। उनके मुताबिक, यह गंध रोग को बाहर निकाल देती है।

क्या कहता है साइंस?

वैज्ञानिक दृष्टि से, जानवरों की चराई वाली घास में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण हो सकते हैं, जो सांस से अवशोषित होकर राहत देते हैं। लेकिन डॉक्टर चेतावनी देते हैं कि यह संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है। इसके अलावा, हमर ट्राइब में पशु की पॉटी को भी अमूल्य माना जाता है। इस ट्राइब में जानवरों से जुड़े कई परंपराएं हैं। लोग गाय या भेड़ की पॉटी का इस्तेमाल ताकत के लिए करते हैं। यह पॉटी ना केवल शरीर पर, बल्कि चेहरे पर भी लगाई जाती है, जो त्वचा को चमकदार और कीटों से दूर रखती है। ट्राइब के लोग मानते हैं कि पॉटी में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो सूरज की तेज किरणों से बचाव करते हैं।

चार फ़ीट लंबा और तीस किलो वजनी होता है ये मुर्गा!

वॉशिंगटन। सोशल मीडिया पर वायरल वो वीडियो, जहां एक मुर्गा डॉग से भी बड़ा नजर आया– 4 फीट लंबा, 30 किलो वजनी, काटने पर इतना मांस कि एक से ही कई लोगों का पेट भर जाए। हकीकत में ये ब्रह्मा चिकन है, दुनिया की सबसे बड़ी मुर्गी नस्लों में से एक, जिसका साइज तो कमाल का है, लेकिन दावे अतिशयोक्ति भरे हैं। 1850 में अमेरिका लाई गई ये नस्ल 'किंग

ऑफ पॉल्ट्री' के नाम से मशहूर है। मुर्गे 30 इंच (76 सेमी) ऊंचे, 12-18 पाउंड (5.4-8.2 किलो) वजनी होते हैं जबकि मुर्गी 9.5-10 पाउंड (4.3-4.5 किलो) तक के होते हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि इस मुर्गे से 30 किलो मांस निकल सकता है। लेकिन, ये नामुमकिन है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे भारी मुर्गा 1973 का वेइर्डो था, जो 22 पाउंड (10 किलो) का था। ये ब्रह्मा नहीं, बल्कि व्हाइट लेगहॉर्न था. लेकिन ब्रह्मा का रिकॉर्ड 17-18 पाउंड तक पहुंच चुका है।

ऐसे हुई पैदावार

ब्रह्मा की कहानी 19वीं सदी की है। 1840 में ब्रिटेन से अमेरिका भेजे गए बड़े एशियाई मुर्गों को जंगल फाउल (चाइनीज शांगहाई) और मलय चिकन को लोकल चट्टागाहम चिकन के साथ क्रॉस किया गया। इसे 1852 में पहली बार न्यूयॉर्क पोल्ट्री शो में दिखाया गया, जहां इनकी ऊंचाई और वजन ने सबको हैरान कर दिया। नाम 'ब्रह्मा' ब्रह्मपुत्र घाटी से आया, जहां से मूल एशियाई स्टॉक था। अमेरिकन पोल्ट्री एसोसिएशन ने 1874 में इसे मान्यता दी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com